दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 232 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, गुरुवार 10 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

घर में खुशहाली बनाए रखने के लिए सबसे पहले सकारात्मक सोच और आपसी सम्मान जरूरी है। सुबह उठते ही ईश्वर का स्मरण करें और घर को साफ-सुथरा रखें। रोज थोड़ा समय परिवार के साथ बैठकर बातचीत करें, इससे आपसी समझ मजबूत होती है। घर में नियमित दीपक या अगरबत्ती जलाने से वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। जरूरतमंदों की सहायता करने से भी घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आपसी मतभेद होने पर शांतिपूर्वक बातचीत से समाधान निकालें। सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ भोजन करना और हँसी-मजाक करना रिश्तों को मजबूत बनाता है।

कॉल करें:
9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

झूठ की गूंज को हरायेगा सच : मोदी

वडोदरा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत लोगों और सामान की आवाजाही को तेज करने, नए आर्थिक अवसर पैदा करने और विकास को गति देने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार के बारे में देश में झूठ फैलाने में लगा है।

मोदी ने किसी का नाम लिये बिना कहा कि 'झूठ की गूंज को सच के सामने हार मिलेगी'। वह विभिन्न क्षेत्रों में विकास की 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। वडोदरा का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला करने का मंच भी बन गया।

मोदी ने उन लोगों पर निशाना साधा, जो उनके अनुसार देश की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने फिर से 'नाराज़ फूफा' वाली टिप्पणी दोहराई और कहा कि कुछ लोग देश की उपलब्धियों के बावजूद लगातार असंतुष्ट रहते हैं।वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के पवेलियन ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा 'नमो फॉर विकसित भारत' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर विकसित भारत की नींव तैयार करने के उद्देश्य से है। इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर युवाओं के साथ संवाद और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और नागरिक शामिल हुए।

मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक विरोधी भारत के विकास से खुश होने में असमर्थ नजर आते हैं और लगभग हर मुद्दे पर शिकायत करते रहते हैं। परिवार में किसी समारोह के दौरान नाराज रहने वाले रिश्तेदार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'नाराज फूफा' की तरह व्यवहार कर रहा है, जो दूसरों की खुशियों और प्रगति के बीच भी असंतुष्ट रहता है।

मोदी ने भारत की उपलब्धियों के बारे में उनके अनुसार 'झूठ की गूंज' पैदा करने की कोशिशों पर भी हमला बोला।

SHORT NEWS

पीडीएस के तहत दो माह सितंबर और अक्टूबर का चावल वितरण जारी

रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्रदेश के सभी 14 हजार 186 उचित मूल्य दुकानों में दो माह सितंबर और अक्टूबर 2026 के लिए खाद्यान्न आबंटन जारी कर दिया गया है। इन उचित मूल्य दुकानों में से 9,356 (66 प्रतिशत) दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण हो गया है तथा राशनकार्डधारियों को उक्त दो माह के चावल वितरण जारी है। राशनकार्डधारी कोई भी उचित मूल्य की दुकानों से दो माह का चावल 30 सितंबर तक ले सकते है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में दो माह के खाद्यान्न भण्डारण एवं वितरण का कार्य प्रचलित है। 08 सितंबर 2026 तक खाद्यान्न 2.62 लाख राशनकार्डधारियों द्वारा खाद्यान्न का उठाव किया गया है। 30 सितंबर 2026 तक 02 माह का खाद्यान्न वितरण पूर्ण करने हेतु सभी जिलों को निर्देश दिए गए है। राज्य शासन द्वारा दो माह के खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण की नियमित निगरानी/मॉनिटरिंग की जा रही है।

शहरों में नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों में लाएं तेजी : सीएम विष्णु देव साय

अमृत मिशन के कार्य मिशन मोड में पूरे कर शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

नालंदा परिसरों के निर्माण में तेजी लाने और शहरों में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर

800 करोड़ रुपये की लागत से 8 नगरीय निकायों में स्थापित किए जा रहे सीबीजी प्लांट

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में चलेंगी 240 ई-बसें

रायपुर। शहरों का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सुगम सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों का वास्तविक लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचे, यह अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के नगरीय निकायों में युवाओं को अध्ययन के लिए आधुनिक और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए जा रहे सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन 'नालंदा परिसर' की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन परिसरों के कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन वित्तीय वर्षों में प्रदेश के 38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिनमें 31 कार्य वर्तमान में प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री ने इन परिसरों में प्रस्तावित सीटों की संख्या और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने रायपुर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर की प्रगति की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री साय ने नगरोत्थान योजना की समीक्षा करते हुए शहरों में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधोसंरचना विकसित करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 14 नगर निगमों के लिए प्रारंभ की गई इस योजना के तहत मुख्य सड़कों का चौड़ीकरण, बाईपास, फ्लाईओवर, सर्विस लेन और अंडरपास सहित यातायात से संबंधित आवश्यक अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी पूर्व घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत नगरीय विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों के सतत, संगठित एवं नागरिक-केंद्रित विकास के लिए 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इसके अंतर्गत 32 नगरीय निकायों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सेवाओं के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नागरिकों से सीधे जुड़ी इन सेवाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्त अनटाइड एवं टाइड ग्रांट से किए जा रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इसके माध्यम से सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था, जल प्रदाय, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वायु गुणवत्ता सुधार से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की 'हिन्दी सलाहकार समिति' के सदस्य बने सांसद बृजमोहन बृजमोहन

रायपुर/नई दिल्ली। रायपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं वरिष्ठ जननेता बृजमोहन अग्रवाल को केंद्र सरकार द्वारा एक और महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की 'हिन्दी सलाहकार समिति' में सांसद बृजमोहन अग्रवाल को सदस्य मनोनीत किया गया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष तथा अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन इसके उपाध्यक्ष हैं।

समिति का मुख्य उद्देश्य एवं दायित्व भारतीय संविधान, राजभाषा अधिनियम और संबंधित नियमों में राजभाषा के उपबंधों का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के दैनिक प्रशासनिक कार्यों, योजनाओं और जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना है। अपनी इस नियुक्ति पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, 'हिन्दी, संवाद के माध्यम के साथ साथ हमारी सांस्कृतिक अस्मिता, राष्ट्रीय एकता और जन-गण-मन को जोड़ने वाला सेतु है।

राज्यपाल रमेन डेका से अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में राज्यपाल को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही समाज की ओर से राज्यपाल रमेन डेका को इस गरिमामयी आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया।

इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महासभा की विभिन्न गतिविधियों और सामाजिक व पर्यावरणीय दायित्वों के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभूषण वर्मा, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पैरीटोला धूमधाम से मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व

छुरिया । समीप गांव पैरीटोला में दो दिवसीय कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन कोसरिया यादव समाज सर्किल – बम्हनी चार भाटा के कुल 32गांव एवं ग्राम वासियों के द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया गया, जहां प्रथम दिवस राउत नृत्य कि खूबसूरत झाकियों के साथ कलश यात्रा पूरे गांव का भ्रमण किया गया एवं अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्लावित किया गया एवं मध्य रात्रि 12बजे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं कि उपस्थिति में भगवान कृष्ण जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, दूसरे दिन कृष्ण जी कि महा आरती, राउत नृत्य, बच्चों के द्वारा खूबसूरत झाकी एवं फरहद फाग झांकी का कार्यक्रम मन मोह लिया, साथ ही कार्यक्रम में मति किरण रविन्द्र वैष्णव अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई, भगवान कृष्ण जी का पूजा अर्चना कर पूरे श्रेत्रवासियों को जन्माष्टमी कि शुभकामनाए दी। कार्य क्रम कि अध्यक्षता जेलसिंह यादव ने कि। वैष्णव जी अपने उद्बोधन में कहा कि कृष्ण का जीवन हमे सत्य, धर्म, कर्म, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि समाज में प्रेम भाईचारे सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करने का अवसर भी है। साथ ही यादव समाज कि गतिविधियां हेतु सामुदायिक भवन कि घोषणा कि। विसर्जन यात्रा में दही हांडी, राउत नृत्य कि झांकी एवं श्रद्धालुओं के द्वारा बड़े धूमधाम से नाचते गाते कृष्ण जी कि मूर्ति का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर नूतन यादव (सचिव) धन्ना यादव, पुष्पेंद्र यादव, छबिलाल यादव, कमलेश यादव, हिरदेलाल यादव, प्रेम यादव, हरीश यादव, कृतलाल यादव, पलटू, नीलकंठ, माधो यादव एवं बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग एवं ग्रामवासी उपस्थित हुए।

भाटापारा में नेत्रदान पखवाड़ा संपन्न, 12 मरीजों की सफल मोतियाबिंद सर्जरी

भाटापारा । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भाटापारा में नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया 41 वा राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा कार्यक्रम 2026 मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एंव जिला अंधत्व नोडल अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी जिला बलौदा बाजार भाटापारा, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र महेश्वरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भाटापारा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सुषमा महेश्वरी सिविल हॉस्पिटल भाटापारा के मार्गनिर्देशन में, 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़ा कार्यक्रम संचालित किया गया इस कार्यक्रम के दौरान भाटापारा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य केंद्रों में नेत्र परीक्षण, चश्मा जाँच, मोतियाबिंद की जाँच, एवं नेत्र सम्बंधित मोबारीयों का उपचार किया गया!

जनदर्शन में उमड़ी फरियादों की कतार, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने गंभीरता से सुनी समस्याएं; समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

एमसीबी। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में नागरिकों ने भूमि मुआवजा, राहत राशि, भूमि संबंधी विवाद, पुस्तैनी भूमि में हिस्सेदारी, आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण, आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत, डीएमएफ राशि एवं अनुकंपा नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इस दौरान परसगढ़ी निवासी बिहारी लाल ने वन अधिकार पट्टा में नाम सुधार कराने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं चित्ताझोर निवासी अब्दुल रसीद खान ने मुआवजा राशि के लिए पूर्व में दिए गए आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने की शिकायत करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

करीं निवासी दिलकरन ने भूमि संबंधी मामले तथा पुस्तैनी भूमि के बंटवारे में अपना हिस्सा नहीं दिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की। भौता निवासी धनफेर सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में पात्र हितग्राहियों को अपात्र किए जाने के संबंध में शिकायत करते हुए मामले की जांच की मांग की।

जनकपुर निवासी पार्वती ने धोखाधड़ी कर पैसे लिए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की। वहीं उदनापुर निवासी मुनीर ने स्वीकृत आवास योजना की राशि का भुगतान नहीं होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी। पेन्ड्री निवासी सोमारू ने भूमि संबंधी प्रकरण को लेकर आवेदन दिया। इसके अलावा भौता के समस्त ग्राम वासियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की जांच कराने के संबंध में सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किया।

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया को समयबद्ध रखने के निर्देश दिए।

विश्व कल्याण और शांति के लिए 42 साधकों ने किया सवा लाख गायत्री मंत्र जाप

बलौदाबाजार । लवन रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ में सोमवार को 40 दिवसीय गायत्री अनुष्ठान का विधि-विधान से पूर्णाहुति कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञ की आहुतियों से शक्तिपीठ परिसर भक्तिमय बना रहा। विश्व कल्याण, शांति एवं पर्यावरण संरक्षण की कामना से आयोजित अनुष्ठान में करीब 42 साधकों ने सवा-सवा लाख गायत्री मंत्र का जाप किया। साधकों द्वारा निर्धारित मंत्र जाप पूर्ण करने के बाद पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर विश्व में शांति, सुख-समृद्धि तथा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण की कामना की। गायत्री परिवार के सदस्यों ने बताया कि नियमित गायत्री मंत्र साधना का उद्देश्य व्यक्ति के साथ समाज और विश्व में सकारात्मक ऊर्जा एवं कल्याण की भावना को बढ़ावा देना है। 40 दिनों तक चले अनुष्ठान में साधकों ने नियमित रूप से मंत्र जाप किया। पूर्णाहुति के अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि लगातार चले अनुष्ठान से उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण का अनुभव हुआ।

नेहरू चौक में धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्मोत्सव, मटकी फोड़ कार्यक्रम ने बांधा समां

बलौदा बाजार । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर में जगह-जगह धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में नेहरू चौक में वार्डवासियों ने भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर किया। अशोक जैन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानवता, प्रेम, सौहार्द और धर्म की रक्षा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्मोत्सव आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर है। सभी को भगवान कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान कृष्ण की वेशभूषा धारण कर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया। वार्ड पार्षद शेखर गुप्ता के नेतृत्व में मटकी फोड़, कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। देर रात तक भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण एवं भोग-भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर एल्डरमैन दिनेश वर्मा, योगेश अग्रवाल, संतोष गुप्ता, मुरारी साहू, मोहन गुप्ता, अजय साहू, ध्यानु गुप्ता, सुशील केसरवानी सहित वार्डवासी, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन

बालोद । जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बालोद जिले में 17 सितंबर से एक माह का सेवा संकल्प अभियान शुरू होने जा रहा है। 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने आज अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर अभियान की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर मिश्रा ने अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संबधित जिला अधिकारियों को बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान अतिमहत्वपूर्ण अभियान हैं, सभी अधिकारी इसकी गंभीरता को देखते हुए सक्रियता से कार्य करें, सभी कार्यक्रम मे व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारियों को तय कार्यक्रम अनुसार स्थल चिहांकन एवं आवश्यक तैयारी तेजी से प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। अभियान के दौरान आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम- 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से अभियान का शुभारंभ, घर-घर और जिला स्तर पर सामूहिक दीप प्रज्वलन व हितग्राहियों के सम्मान के साथ होगा। बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम 17 सितंबर से 07 अक्टूबर तक स्कूलों और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन। 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनजागरूकता प्रसार होगा। 25 सितंबर से 07 अक्टूबर तक आंगन का उत्सव कार्यक्रम मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान और मातृ वंदन कार्यक्रम।

सफाई, स्ट्रीट लाइट और पेयजल की बदहाली पर भड़के पार्षद, CMO हटाने की मांग

अकलतरा । जांजगीर सीएमओ के खिलाफ नगर पालिका पार्षदों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन , सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और विकास कार्यों को लेकर शास्त्री चौक में धरना, सीएमओ को हटाने और पालिका की कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग कीअकलतरा नगर की बदहाल होती मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई व्यवस्था की कथित लापरवाही, महीनों से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों, अनियमित पेयजल आपूर्ति तथा करीब 15 महीनों से विकास कार्यों के अवरुद्ध होने का आरोप लगाते हुए नगर पालिका पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है, इन समस्याओं को लेकर नगर के शास्त्री चौक में नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं पार्षदों द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका में कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह को तत्काल पद से हटाने तथा नगर पालिका अध्यक्ष की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग उठाई।

धरना प्रदर्शन के दौरान पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर के सभी 20 वार्डों में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था प्रभावित है। कई महीनों से स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं, जिसके कारण शाम होते ही नगर के अनेक हिस्से अंधेरे में डूब जाते हैं। वहीं दूसरी ओर लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। विकास कार्यों की गति थमने से नगर के नागरिकों को सड़क, नाली, पानी, प्रकाश और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को वार्ड क्रमांक 3 की पार्षद सुनीता सिंह, वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद राजकुमार अग्रवाल, वार्ड क्रमांक 5 के

पार्षद दिनेश दास महंत, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद चंद्रशेखर वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद अभिषेक बंजारे तथा वार्ड क्रमांक 19 के पार्षद पिंटू बरेठ ने भी संबोधित किया। पार्षदों ने कहा कि नगर की समस्याएं अब केवल किसी एक वार्ड तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि लगभग पूरे नगर में नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से नगर पालिका की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए लंबित विकास कार्यों को तत्काल प्रारंभ कराने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने तथा नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

बड़ी संख्या में नागरिक रहे मौजूद

धरना प्रदर्शन में छत्रराम साहू, आशीष प्रसाद, डॉ. विवेक सिंह बैस, मनोज टंडन, संतन सिन्हा, बिहारी लाल ताम्रकार, संतोष अग्रवाल, घनश्याम राजवाड़े, नवल केड़िया सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना अंतर्गत व्यवस्था को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं आधुनिक किया जायेगा : महापौर

2 करोड़ 31 लाख की लागत से होगा शहर की विद्युत व्यवस्था का कायाकल्प

राजनांदगॉव । मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत शहर के विकास के लिये शासन प्रशासन द्वारा 2 करोड़ 31 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है । राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन ने नगर विकास हेतु राज्य शासन ने उक्त राशि प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डा0 रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा एवं विधायक राजनांदगॉव सहित राजनांदगावें सांसद संतोष पाण्डे को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है। महापौर ने बताया कि इस योजना अंतर्गत गणेशोत्सव पर्व के पहले शहर में विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं आधुनिक किया जायेगा। इन कार्यो हेतु नगर निगम राजनांदगॉव द्वारा पूर्व में ही अपनी स्वीकृति प्रदान करते हुए विद्युत विभाग को गणेशोत्सव पर्व के पूर्व जनहित में इन प्रमुख कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये थे और इसके लिये विद्युत विभाग को फंड उपलब्ध कराने की मांग भी राज्य शासन से की गई थी, जिसपर सीएम, डॉ0 साहब एवं सांसद जी के विशेष प्रयासों से शीघ्र की फंड उपलब्ध कराया गया हैं। महापौर ने विभागीय अधिकारियों के साथ आज नगर के मुख्य मार्गो का निरीक्षण किया और कामठी लाईन, सदर बाजार, भारत माता चौक, आजाद चौक, आदि मार्गो पर विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये।

नगर भ्रमण के दौरान महापौर के साथ निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र (पारस) वर्मा, पार्षदगण मनोहर यादव एवं संतोष साहू, पूर्व पार्षद शरद सिन्हा सहित विभागीय अधिकारी ई.ई. गुरूदयाल सिंह फ्लोरा, ए.ई. रोहित मंडावी उपस्थित रहे। पूर्व सांसद मधु ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना अंतर्गत मुख्य रूप से मुख्य मार्गो पर लटकते अव्यवस्थित तारों, खुले एवं कम ऊँचाई के विद्युत तारों के जमघट को व्यवस्थित किया जायेगा एंव एक लाईन में कनेक्ट किया जायेगा। आगामी गणेशोत्सव एवं झॉकियों के विसर्जन के दृष्टिगत शहर के बाजार चौक चौराहों एवं प्रमुख मार्गो पर विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ीकरण हेतु विशेष प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। कार्ययोजना के तहत नगर में लगभग 50 नए विद्युत पोल लगाया जाना प्रस्तावित है, आवश्यकता वाले स्थानों पर नये ट्रान्सफार्मर स्थापित करना, विद्युत तारों की क्षमता वृद्धि करना, विद्युत नेटवर्क को मजबूत करना, विद्युत भार के अनुरूप आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर करना, झूलते तारों को चिन्हांकित करके व्यवस्थित एवं एक साथ कनेक्ट करने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। बिजली विभाग के मैदानी अमले द्वारा चरणबद्ध तरीके से क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

जांजगीर-चांपा । ग्राम दर्रीटांड़ में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला लगातार लंबा खिंचता जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद राजस्व विभाग ने भूमि का सीमांकन तो करा दिया, लेकिन सीमांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

इस संबंध् में ग्रामीणों ने बताया कि शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा लंबे समय से कब्जा किया गया है। इस संबंध में कई बार तहसील कार्यालय, राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन की ओर से सीमांकन कराया गया। सीमांकन के बाद सरकारी भूमि की वास्तविक स्थिति भी स्पष्ट हो गई, लेकिन इसके बाद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। ग्रामीणों का कहना है कि कार्रवाई में देरी के कारण सरकारी जमीन पर निर्माण और कब्जा बढ़ने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सीमांकन रिपोर्ट के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराया जाए। साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि जब सीमांकन पूरा हो चुका है, तो अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अब तक क्यों नहीं की गई।

राज्य शिक्षक पुरस्कार से राज्यपाल रमेन डेका द्वारा सम्मानित नेमसिंह साहू ने बढ़ाया बालोद जिले का मान

बालोद । राज्य शिक्षक पुरस्कार 2025- 2026 का आयोजन शिक्षक दिवस पर लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका जी के द्वारा छत्तीसगढ़ में शिक्षा जगत का सर्वोच्च सम्मान राज्य शिक्षक पुरस्कार से नेमसिंह साहू ,व्याख्याता (रसायन विज्ञान) स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बालोद को सम्मानित किया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की । कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा, शिक्षा सचिव डॉक्टर कमलप्रीत सिंह, राज्यपाल के सचिव सीआर प्रसन्ना उपस्थित थे, साथ ही संचालक डीपीआई ऋतुराज रघुवंशी सहित कई विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया कर्मी व अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत का सर्वोच्च सम्मान को उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता सन्तू राम साहू (वरिष्ठ समाज सेवी) एवं अपने विद्यालय और अपने जन्म भूमि ग्राम बड़गांव को समर्पित किया ।

किए गए विभिन्न कार्य जिस कारण मिला सम्मान

वे शिक्षकीय जीवन में अपने निष्ठा ,कर्तव्य परायणता और सेवा भाव के लिए जाने जाते हैं। जहां भी पदस्थ रहे उन्होंने अपने काम, नवाचार, शिक्षण कला उपचारात्मक शिक्षण, और अन्य गतिविधियों से अमिट छाप छोड़ी है। रसायन विज्ञान के कठिन सिद्धांतों और अवधारणाओं को प्रयोग शाला में सरल से सरल तरीके से समझाने का प्रयास करते हैं। 18 वर्षों के अध्यापन काल में उन्होंने निरंतर वि?द्यार्थियों की शिक्षा में नवाचार का अभूतपूर्व प्रयोग और अन्य पाठ्य सहगामी क्रिया कलाप द्वारा उनके ज्ञान कौशल को बढ़ाने हेतु मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें से 11 वर्षों से भी अधिक का समय विपरीत परिस्थितियों में भी उस समय के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा जिले में अपनी सेवाएं दी है, कोरोना जैसे भीषण महामारी के दौर में भी ऑनलाइन व वर्चुअल पद्धति से शिक्षा से छात्रों को हमेशा जोड़े रखा । पाठ्य सहगामी क्रिया कलाप स्काउटिंग गाइडिंग से भी छात्रों को जोड़ा और उनका सफल मार्गदर्शन किया। स्काउट के क्षेत्र में 40 से भी अधिक विद्यार्थियों को राज्यपाल पुरस्कार से अलंकृत करवाने में इनकी महती भूमिका रही है। विभिन्न ऑनलाइन व ऑफ़लाइन प्रतियोगिता व सेवा कार्यक्रमों से जुड़कर सफलता हासिल की है । साथ ही इंस्पायर अवार्ड में छात्रों को निरंतर नामित किया तथा संभाग स्तर तक ले जाने में सफल हुए।

भाटापारा विधानसभा के दतरेंगी को लाखों की सौगात, शिवरतन शर्मा के हाथों हुआ लोकार्पण-भूमिपूजन

भाटापारा । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दतरेंगी में मंगलवार को विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने शिवरतन शर्मा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार का मूल मंत्र है - सबका साथ, सबका विकास। हमारा संकल्प है कि भाटापारा विधानसभा के प्रत्येक गांव तक विकास की रोशनी पहुँचे और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचे। दतरेंगी का यह विकास उसी संकल्प का परिणाम है।

शिवरतन शर्मा ने कहा की समाज के भवन बनने से हमारे सामाजिक बंधन और मजबूत होंगे। स्कूल में अतिरिक्त कक्ष और बाउंड्रीवाल बनने से हमारे बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। हमारी कोशिश है कि गांव के बच्चों को शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े और गांव में ही सभी सुविधाएं मिलें।

वैसे ही माँ महामाया मंदिर में रंगमंच बनने से हमारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को एक अच्छा मंच मिलेगा और हमारी परंपरा आगे बढ़ेगी। सीसी रोड बनने से आवागमन में सुविधा होगी। यह सारे काम आप सबकी मांग पर स्वीकृत हुए हैं। हमने हमेशा कोशिश की है कि जो काम जरूरी है, उसे प्राथमिकता से कराया जाए। शासन की योजनाएं गांव तक पहुंचे, इसके लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। दतरेंगी सहित पूरे भाटापारा क्षेत्र में विकास के लिए आगे भी इसी तरह कार्य होते रहेंगे।

हनुमान भक्त युवा समिति की मटकी फोड़

डोंगरगढ । कृष्ण जन्माष्टमी गोविंदउत्सव पर्व की धूम पूरे शहर में दिखी हनुमान भक्त युवा समिति व गोल बाजार गोविंदा उत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य दही हांडी लूट का आयोजन किया गया। दूसरे दिन गोविंदा उत्सव पर ठाकुर जी के ढोले व कान्हा जी का भव्य दिव्य स्वागत किया गया । समिति के हनी गुप्ता ने बताया गोविंद उत्सव कमेटी के द्वारा ये परम्पर 108 वर्ष से निरन्तर चल रही है जिसमे जगह जगह मटकी लूट सम्पन्न होता हनुमान भक्त समिति द्वारा 10 वर्षो से बाम्बे स्टाइल क्रेन द्वारा मटकी लूट कराया जाता रहा है इस वर्ष मटकी लूटने वाली टोली के लिए 55,555 रु का पुरुस्कार रखा था जिसमे विजेता टोली जय माँ शीतला सँझोरी तिरोडा गोंदिया की टोली ने मटकी 6 पिरामिड बना के लूटी जिसे समिति द्वारा शील्ड मोमेंटो व नगर राशि प्रदान की गई।

शिक्षकों ने साझा किए अनुभव, साइबर सेल ने दी सुरक्षा की सीख

बालोद । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोबा में शिक्षक दिवस का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर शाला परिवार द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

शिक्षकों ने ताज़ा कीं विद्यार्थी जीवन की यादें

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपने-अपने विद्यार्थी जीवन के खट्टे-मीठे और प्रेरक अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किया। शिक्षकों ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए अनुशासन बेहद ज़रूरी है। उन्होंने सभी छात्रों को अपने माता-पिता और गुरुजनों का सदैव सम्मान करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया।

साइबर क्राइम ब्रांच ने दी जागरूक रहने की नसीहत

इस वर्ष का शिक्षक दिवस समारोह छात्रों के लिए दोहरे लाभ वाला रहा। कार्यक्रम में साइबर क्राइम ब्रांच के अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति बच्चों को सचेत किया। अधिकारियों ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के तरीकों और अनजान लिंक्स पर क्लिक न करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

उन्होंने छात्रों को संदेश दिया कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

रानीतराई (रोड) में आंगनबाड़ी बच्चों को कैरम बोर्ड वितरण, श्री कृष्णा उत्सव समिति की सराहनीय पहल

बालोद। डौंडीलोहारा ब्लाक के ग्राम रानीतराई रोड में बच्चों के मनोरंजन और शारीरिक-मानसिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री कृष्णा उत्सव समिति द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। समिति द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को मनोरंजन के लिए कैरम बोर्ड का वितरण किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि आज के मोबाइल युग में बच्चे आउटडोर और इनडोर खेलों से दूर होते जा रहे हैं। कैरम जैसे खेलों से बच्चों में एकाग्रता, आपसी मेलजोल और बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। इसी उद्देश्य से यह छोटा सा प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के नौनिहालों ने बड़े उत्साह के साथ कैरम बोर्ड प्राप्त किया और समिति के सदस्यों का आभार जताया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजू निर्मलकर, सचिव योगेश ठाकुर, सदस्य किशोर साहू, टोमेंद्र साहू एवं ग्राम प्रमुख रवि कुमार साहू सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नेता प्रतिपक्ष शेख सलमान बोले : विकास के विरोधी नहीं, भेदभाव के खिलाफ लड़ेंगे

बलौदाबाजार । नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार में अधोसंरचना मद से स्वीकृत विकास कार्यों में सात वार्डों की कथित अनदेखी को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्षदों ने वार्ड क्रमांक 01, 04, 11, 13, 15, 17 एवं 20 को अपेक्षित विकास कार्य एवं राशि नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए सभी 21 वार्डों में समान एवं संतुलित विकास की मांग की।

प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और कांग्रेस पार्षदों से चर्चा की। पार्षदों ने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि विकास कार्यों के वितरण में कथित राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ है। नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष एवं वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद शेख सलमान ने कहा कि विपक्ष में होना विकास का विरोध करना नहीं है। उन्होंने कहा कि परिषद की बैठकों में नगरहित से जुड़े प्रस्तावों का उन्होंने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी पार्षद की राजनीतिक विचारधारा का असर उसके वार्ड के विकास पर पड़ता है तो इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। शेख सलमान ने कहा कि सड़क, नाली, प्रकाश, जल निकासी सहित बुनियादी सुविधाओं पर प्रत्येक वार्ड के नागरिकों का समान अधिकार है। उन्होंने मांग की कि अधोसंरचना मद से स्वीकृत कार्यों और वार्डवार राशि का विवरण सार्वजनिक किया जाए तथा कथित रूप से वंचित सात वार्डों के लिए भी समानांतर राशि स्वीकृत की जाए।

प्रदेश स्तर तक मामला ले जाने की चेतावनी कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को चरणबद्ध रूप से व्यापक किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न

बालोद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर भाजपा जिला कार्यालय जुंगेरा, बालोद में जिला कार्यशाला आयोजित की गई। अभियान के तहत 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से 17 अक्टूबर तक एक माह तक विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, जिला प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा, प्रदेश लघु वनोपज के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) यज्ञदत्त शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पवन साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष लेखराम साहू, पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू, महामंत्री द्वय राकेश छोटू यादव, सौरभ लुनिया जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी चंद्राकर उपाध्यक्ष सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का जनसेवा काल गौरवशाली एवं प्रेरणादायी है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जिला, मंडल और बूथ स्तर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से एक माह तक चलने वाले अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगी। जिले में 25 वर्षों की सेवा के प्रतीक के रूप में 25 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। साथ ही संगठन के निर्धारित कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा उनकी जानकारी सरल ऐप पर अपलोड करने की व्यवस्था की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा-हर आवेदन पर हो गंभीरता से कार्रवाई

जांजगीर-चांपा, । जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर जन्मेजय महोबे के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं एवं मांगें रखीं। कलेक्टर महोबे ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रता एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक के आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाना चाहिए। जनदर्शन में आज विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में तहसील नवागढ़ के ग्राम किरीत निवासी जयकिशन साहू ने रिकार्ड दुरुस्त कराने तथा तहसील बलौदा के ग्राम बुड़गहन निवासी मंगल सिंह गोंड़ ने भूमि खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन दिया। तहसील नवागढ़ के ग्राम भैंसदा निवासी श्रीमती सावित्री गढ़ेवाल ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता राशि दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। तहसील चांपा के ग्राम तालदेवरी निवासी श्रीमती दुलारी बाई यादव ने आधार कार्ड में त्रुटि सुधार कराने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं जनपद पंचायत बलौदा क्षेत्र के ग्राम सिवनी निवासी पुष्पा देवांगन ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।

सिब्दी में करूभात की अनूठी पहल, तीज के पहले दिन होगा सामूहिक करूभात का आयोजन

बालोद । ग्राम सिब्दी में सामाजिक मेलजोल, आपसी भाईचारे और पारिवारिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई सामूहिक करूभात खिलाने की पहल अब सुंदर परंपरा का रूप ले चुकी है। तीज व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का दूसरा आयोजन 13 सितंबर को किया जाएगा। डाक्टर संतोष बेलचंदन ने बताया कि इस पहल की शुरुआत पिछले वर्ष गांव के युवा साथियों सहयोग से हुई थी। ग्रामीणों की सहभागिता और उत्साह को देखते हुए इस वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में बड़ी संख्या में माताओं, बहनों और बच्चों के शामिल होने की संभावना है। करूभात आयोजन का उद्देश्य सामूहिक भोजन के साथ ग्रामीणों को एक-दूसरे से मिलने-जुलने और संवाद का अवसर प्रदान करना है।

विशेष रूप से तीज पर्व के अवसर पर मायके आई माताओं और बहनों को परिजनों एवं ग्रामीणों के साथ आत्मीयता से समय बिताने तथा सुख-दुख साझा करने का अवसर मिलेगा। भागदौड़ भरी दिनचर्या के बीच इस तरह के आयोजन लोगों को एक साथ बैठने और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं।

सरपंच ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की मांग की

जांजगीर-चांपा । नवागढ़ विकासखंड के ग्राम गोधना से कांसा जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य में देरी को लेकर ग्राम पंचायत गोधना के सरपंच अजय कुमार साहू ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

सरपंच द्वारा 8 सितंबर को दिए गए पत्र में बताया गया है कि गोधना-कांसा सड़क को वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में लगभग 2.80 करोड़ रुपए की राशि से शामिल किया गया है। इसके बावजूद अब तक सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में सरपंच ने कलेक्टर से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जांच कर संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि लंबे समय से लंबित सड़क का निर्माण शीघ्र प्रारंभ हो सके। गौरतलब है कि गोधना-कांसा मार्ग ग्रामीणों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। सड़क निर्माण में हो रही देरी से ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। अब कलेक्टर कार्यालय में शिकायत पहुंचने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

जेन-जी समझे शिक्षा में कितनी जानकारी और कितना ज्ञान है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज का दौर जानकारी के विस्फोट का दौर है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया की लगभग हर जानकारी को हमारी उंगलियों तक पहुंचा दिया है। कुछ ही क्षणों में किसी भी विषय के बारे में तथ्य, आंकड़े और उत्तर हासिल किए जा सकते हैं। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारे पास जानकारी कितनी है और वास्तविक ज्ञान कितना है। खासकर जेन-जी यानी नई पीढ़ी के युवाओं के लिए इस अंतर को समझना बेहद जरूरी है। जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं हैं। जानकारी हमें किसी विषय के बारे में बताती है, जबकि ज्ञान हमें उस विषय की गहराई, उसके कारण और उसके सही उपयोग को समझने की क्षमता देता है। आज तकनीक के कारण जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है, लेकिन उसके सही अर्थ को समझना और जीवन में उतारना अब भी मनुष्य की जिम्मेदारी है। कई बार अत्यधिक जानकारी भी व्यक्ति को वास्तविक समझ से दूर कर देती है। हम बहुत कुछ जानने का दावा तो कर सकते हैं, लेकिन क्या हम यह जानते हैं कि मनुष्य होने का अर्थ क्या है? हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? हमारे व्यवहार और निर्णयों का समाज तथा दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? यही प्रश्न हमें जानकारी से आगे ज्ञान की ओर ले जाते हैं।

तुलसीदास जी ने लिखा है— 'हरि सेवकहिं न ब्याप अबिद्या, प्रभु प्रेरित ब्यापइ तेहि बिद्या। 'इसका भाव है कि भगवान के सेवक को अज्ञान नहीं घेरता और ईश्वर की प्रेरणा से सच्ची विद्या प्राप्त होती है। यहां विद्या का अर्थ केवल किताबों से प्राप्त जानकारी नहीं, बल्कि ऐसी समझ से है जो मनुष्य के भ्रम को दूर करे और उसे सत्य का बोध कराए।

जेन-जी के सामने आज अवसर भी बहुत हैं और चुनौतियां भी। तकनीक का उपयोग शिक्षा, शोध और कौशल बढ़ाने के लिए किया जाए तो यह जीवन को नई दिशा दे सकती है। लेकिन यदि हर प्रश्न का उत्तर बिना समझे केवल तकनीक से प्राप्त करने की आदत बन जाए, तो सोचने, तर्क करने और अनुभव से सीखने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

इसलिए नई पीढ़ी को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि उनकी शिक्षा में कितनी जानकारी और कितना ज्ञान है। खूब परिश्रम करें, तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करें और अपने अनुभवों से सीखते रहें। साथ ही ईश्वर पर विश्वास और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा बनाए रखें। जब जानकारी के साथ विवेक और ज्ञान जुड़ता है, तभी शिक्षा वास्तव में जीवन को दिशा देने वाली विद्या बनती है।

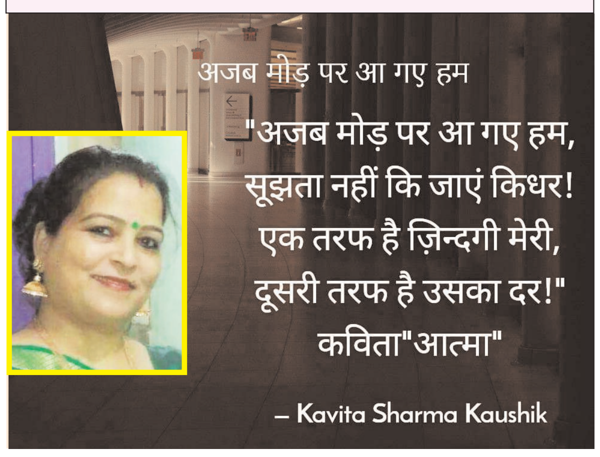

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

विभीषणजी जब भगवान राम की शरण में आते हैं तब भगवान राम यही कहते हैं कि किसी में कितना भी दोष क्यों न हो लेकिन व्यक्ति यदि मेरी शरण में आ जाए तो –

जौं नर होइ चराचर द्रोही।
आवै सभय सरन तकि मोही।।
तजि मद मोह कपट छल नाना। करउँ सद्य तेहि साधु समाना।।

भगवान ने कहा – मद, मोह, कपट और छल छोड़कर अगर कोई मेरी शरण में आ जाए तो मैं उसे साधु बना देता हूं। एक सज्जन ने कहा कि जब व्यक्ति छोड़कर ही आ जाएगा तो फिर भगवान क्या करेंगे ? आप यह ध्यान रखिएगा कि संसार के जो तीन सबसे बड़े पाप हैं उनमें से एक को भी छोड़ने का भगवान ने नाम नहीं लिया। ये नहीं कहा कि काम छोड़कर आना, क्रोध छोड़कर आना अथवा लोभ छोड़कर आना। भगवान कहते हैं मद, मोह, कपट और छल छोड़कर आना। इसका अभिप्राय है कि वैद्य के पास आप जाएंगे तो

वह रोग तो दूर करेगा लेकिन आपका भी कर्तव्य कुछ है कि नहीं ? रोगों के संदर्भ में पहली बात तो यह है कि रोगी को मद न हो, क्योंकि रोगी अगर वैद्य को अपने से अयोग्य मान ले तो फिर वैद्य उसे क्या दवा दे पाएगा। मोह का अभिप्राय है कि वैद्य ने जो बताया है यदि उसका उल्टा कुपथ्य करेंगे तो वैद्य की दवा से लाभ नहीं होगा। और यदि वैद्य के पास जाकर भी हम अपना रोग छिपाएं, छल-कपट करें तो भी कोई लाभ नहीं होगा। तो जैसे रोगी को वैद्य के पास जाते समय इन चारों का परित्याग करने पर वैद्य से दवा मिलती है तथा रोग दूर होता है, भगवान कहते हैं कि इसी प्रकार से इन चारों वस्तुओं को छोड़कर अगर मेरी शरण में आ जाओ तो जो बाकी बचा हुआ तुम्हारा रोग है उसे मैं दूर कर दूं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

अलग ढंग से सोचना ही हमारी ताकत है, लेकिन एआई से उसे खतरा

हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी सोच की विविधता रही है। इतिहास गवाह है कि हर बड़ी खोज के पीछे किसी न किसी ऐसे व्यक्ति की आवाज रही है, जिसने अपने समय की स्वीकृत मान्यताओं पर प्रश्न उठाने का साहस किया। लेकिन एआई के युग में यह प्रश्न हमारे सामने खड़ा हो रहा है कि कहीं यह तकनीक हमारे ज्ञान की विविधता को समाप्त तो नहीं कर रही?

आज हम क्या पढ़ते हैं, क्या खोजते हैं, किन विचारों तक पहुंचते हैं और किस प्रकार के उत्तरों को स्वीकार करते हैं, इन सब पर एल्गोरिदम का प्रभाव है। विडम्बना यह है कि जिस डिजिटल संसार को कभी मानव-अनुभवों, भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों का विशाल महासागर माना गया था, वही अब धीरे-धीरे मशीनों द्वारा निर्मित सामग्री से भरता जा रहा है। डिजिटल संसार अब मौलिक चेतना नहीं, एल्गोरिदमिक प्रणालियों द्वारा संचालित हो रहा है। हम ऐसी ज्ञान-प्रणाली रच रहे हैं, जो अपनी ही नींव को खोखला कर रही है।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स जिस डेटा पर विशाल मात्रा में प्रशिक्षित होते हैं, वह डिजिटल परिवेश भी अब उन्हीं के द्वारा पूर्व में उत्पन्न की गई कृत्रिम सामग्री से भरता जा रहा है। शोधकर्ता इस आत्मघाती चक्र को 'मॉडल ऑटोफैगी' की संज्ञा देते हैं। इस अवस्था में कोई प्रणाली अपने ही डेटा का उपभोग करने लगती है। इससे ज्ञान की विविधता और मौलिकता धीरे-धीरे कम हो जाती है।

यह स्थिति कुछ वैसी ही है, जैसे प्रकृति में जैव-विविधता समाप्त होने पर पारिस्थितिकी-तंत्र कमजोर हो जाता है। एक जंगल इसलिए मजबूत होता है, क्योंकि उसमें अनेक प्रकार के पेड़-पौधे, जीव-जंतु और जैविक प्रक्रियाएं मौजूद होती हैं। लेकिन यदि वह

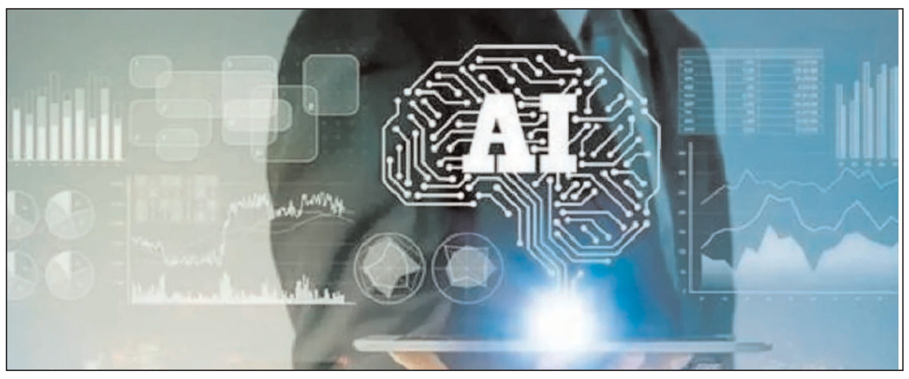

एक ही प्रकार के पेड़ों पर निर्भर हो जाए, तो एक बीमारी पूरे तंत्र को नष्ट कर सकती है। ज्ञान की दुनिया भी ऐसी ही है।

जब भावी पीढ़ियों के मॉडल मशीन-जनित डेटा पर बारम्बार पुनरावृत्त होते हैं, तो ज्ञान की मूल जीवंतता, भाषाई नमी और सूक्ष्मता समाप्त होने लगती है। दीर्घकालिक रूप में यह 'मॉडल कोलैप्स' अर्थात बौद्धिक पतन का कारण बनता है, जहां मशीन की प्रतिक्रियाएं अत्यधिक रूखी, गैर-रचनात्मक और त्रुटिपूर्ण हो जाती हैं। एआई प्रणाली अपने ही गढ़े प्रतिमानों से सीखते हुए वास्तविक दुनिया की जटिलताओं को खोने लगती है।

इतिहास में कई बार ऐसे विचारों को प्रारम्भ में अस्वीकार किया गया था, जिन्होंने बाद में दुनिया बदल दी। पेट के अल्सर के बारे में लंबे समय तक माना जाता रहा कि इसका कारण केवल जीवनशैली और तनाव है। बाद में वैज्ञानिकों ने दिखाया कि हेलिकोबैक्टर पाइलोरी नामक बैक्टीरिया इसकी बड़ी वजह हो सकता है। शुरुआत में इस विचार को संदेह की दृष्टि से देखा गया, लेकिन अंततः इसी खोज को 2005 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यही विज्ञान की सुंदरता है, वह असहमति और नए विचारों से आगे बढ़ता है।

1840 के दशक में आयरलैंड का अकाल केवल प्राकृतिक आपदा नहीं था। सम्पूर्ण कृषि व्यवस्था एक ही आनुवंशिक प्रजाति पर निर्भर हो गई थी, जिसके कारण एक फफूंद-संक्रमण ने लाखों लोगों को भुखमरी और विस्थापन की त्रासदी में धकेल दिया। एआई की दुनिया भी ऐसे ही डिजिटल मोनोकल्चर की ओर बढ़ रही है।

यदि भविष्य की सूचना-व्यवस्था केवल उन्हीं विचारों को बढ़ावा देने लगे जो पहले से लोकप्रिय हैं, तो नए और असुविधाजनक प्रश्न धीरे-धीरे गायब हो सकते हैं। सबसे बड़ा खतरा गलत जानकारी का नहीं, विचारों की एकरूपता का है। हमारी असली ताकत अलग सोचने की क्षमता में है और इसे ही हमें एआई के युग में सहेजकर रखना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दुनिया का नया नक्शा हमारी धारणाओं को भी बदलता है

4 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया का नया नक्शा मंजूर किया। इस पर मतदान में 164 देशों ने मुहर लगाई, छह देश मतदान से अलग रहे, जबकि अमेरिका ने विरोध में मत दिया। भारत ने भी इस नक्शे के पक्ष में वोट दिया। लेकिन अब यह बात सामने आ रही है कि इस नक्शे में भारतीय राष्ट्र-राज्य की सीमारेखाओं के साथ छेड़छाड़ है।

असम से लगती अरुणाचल प्रदेश की दक्षिणी सीमा को 'चीनी रेखा' की तरह दिखाया गया है और नगालैंड-असम के बीच की रेखा गुम है। वहीं तिब्बत को भारतीय रेखा में दिखाया गया है। चीन ने भी इस नक्शे को मंजूरी दी है। भारत का कहना है कि वह समान-विश्व की भावना के साथ है और इसी के अनुरूप नक्शे का समर्थन किया है। लेकिन यह विवाद बताता है कि दुनिया का नक्शा बनाना आसान नहीं है।

वैसे भी धरती गोल है और रेखाविहीन है। दरअसल अब तक दुनिया का जो नक्शा चल रहा था, उसे सोलहवीं सदी में नक्शानवीस गेरार्डस मेर्काटर ने समुद्री यात्राओं को ध्यान में रखते हुए बनाया था। इस नक्शे में अफ्रीका एक-तिहाई छोटा है।

यूरोप, उत्तर अमेरिका, ग्रीनलैंड बड़े दिखाए गए हैं, जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया के देश भी अपने असल अनुपात से काफी कम जगह पा सके हैं। अफ्रीका में इस नक्शे को बदलने के लिए आंदोलन चला और अंततः संयुक्त राष्ट्र की आमसभा ने मतदान से नया नक्शा मंजूर कर लिया।

यह नया नक्शा 2018 में नॉर्थ अमेरिकन कार्टोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सोसाइटी की कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत 'इक्वल अर्थ मैप' है। इसमें यूरोप पहले के मुकाबले सिकुड़ा हुआ है, ब्राजील फूला हुआ है और ग्रीनलैंड जैसे गुम हो

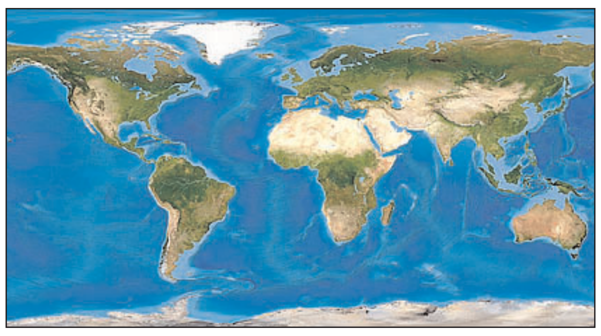

चुका है। अफ्रीका को इसमें पूरी नुमाइंदगी मिली है।

लेकिन इस पर हुए विवाद ने याद दिलाया है कि दुनिया का नक्शा बदलता रहा है। कागजों पर बना जो एटलस हमारे दिमाग में छपा हुआ है, वह भी बहुत पुराना नहीं है। हम बीसवीं सदी के प्रारम्भिक वर्षों के नक्शे से आज के नक्शे का मिलान करें तो हैरान रह जाएंगे कि दुनिया के ताकतवर मुल्क कहां चले गए और कौन-से नए मुल्क नक्शे में उठ खड़े हुए?

बीसवीं सदी के प्रारंभिक 15 वर्षों के नक्शे में सोवियत संघ नहीं था, जो अचानक दुनिया की बड़ी ताकत बना और आखिरी दशक आते-आते लुप्त भी हो गया। बीसवीं सदी के ही पहले चार दशकों तक पाकिस्तान नहीं था और सात दशकों तक बांग्लादेश नहीं था।

बीसवीं सदी के प्रारंभ में जो भारत था, उसकी सरहदें ईरान को छूती थीं। उसके पहले की शताब्दियों का कोई विश्व-यात्री पैदल चलता हुआ इस सदी में चला आए तो पहचान ही नहीं पाएगा कि जिस दुनिया से वह गुजरा था, वह कौन-सी थी।

यानी जिन सीमाओं को हम बिल्कुल ऐसे स्थायी मानते हैं, जैसे वे सभ्यता के उषाकाल से चली आ रही हों, वे दरअसल विकास के अलग-अलग दौर की राजनीतिक उथल-पुथल का परिणाम हैं। सभ्यताएं मुल्कों के राजनीतिक नक्शों से बड़ी और पुरानी होती हैं।

इंसानी सरोकार भी उस राजनीति से बड़े होते हैं, जो अकसर अपने स्वार्थों के लिए तमाम पहचानों का इस्तेमाल करती है और उन्हें आपस में लड़ाती भी है- फिर चाहे वे मुल्क हों या फिर मजहब हों। नया नक्शा बाध्यकारी नहीं है। यानी इसकी वजह से न मेर्काटर का मानचित्र मिटने वाला है, न पुराने ग्लोब तोड़े जाने हैं।

वे जहाजों की आवाजाही के लिहाज से अब भी कारगर हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर की सरकारों, स्कूलों और अंतरराष्ट्रीय निकायों से अपील करने वाला है कि वे जब भी स्थानों की तुलना करें तो नए नक्शे के हिसाब से करें।

यानी अब हमारे पास दुनिया को देखने के दो चश्मे होंगे, जो याद दिलाते रहेंगे कि न तो दुनिया इकहरी है और न ही हमारी नजर इकहरी होनी चाहिए। लेकिन हमें इस नक्शे में अपने हिस्से सुरक्षित-स्वीकृत चाहिए, यह निर्विवाद है।

दुनिया का नक्शा बदलता रहा है। कागजों पर बना जो एटलस हमारे दिमाग में छपा हुआ है, वह भी बहुत पुराना नहीं है। वास्तव में अगर हम बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों के नक्शे से आज के नक्शे का मिलान करें तो हैरान रह जाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

डिप्लोमेसी में सभी पक्षों से बातचीत आज भी कारगर है

यूक्रेन में युद्ध जारी है, ईरान युद्ध ने खाड़ी क्षेत्र को झकझोर दिया है, समुद्री व्यापार अब भी असुरक्षित है और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था एक नए संतुलन की तलाश में है। ऐसे समय में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का महत्व इस बात में कम है कि उसके घोषणापत्र क्या कहते हैं और इस बात में अधिक है कि मेज के चारों ओर कौन बैठा है। इस बार की समिट में नरेंद्र मोदी के साथ व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग, मसूद पेजेशकियान और मध्य एशिया के नेता मौजूद थे। भारत के लिए यह ठीक वही जगह थी, जहां उसे होना चाहिए था।

एससीओ भारत के लिए कभी भी पूरी तरह सहज रणनीतिक मंच नहीं रहा है। इसके आर्थिक ढांचे पर चीन का प्रभुत्व है; रूस का राजनीतिक प्रभाव अब भी बहुत है और पाकिस्तान की मौजूदगी इसमें भारत की भागीदारी को जटिल बनाती है। लेकिन इनमें से कोई भी बात इस संगठन के महत्व को कम नहीं करती।

यूरेशिया के भविष्य पर चर्चा करने वाली उन मेजों से दूर रहकर हम इस क्षेत्र की अग्रणी शक्ति बनने की आकांक्षा नहीं रख सकते। इसीलिए मोदी की पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत महत्वपूर्ण थी। रूस अब भी भारत का अहम रणनीतिक साझेदार है, भले ही भारत यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए लगातार संवाद और कूटनीति की वकालत करता रहा हो।

समिट में शी जिनपिंग की मौजूदगी भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी, भले ही उनके साथ हमारी कोई औपचारिक द्विपक्षीय बैठक न रही हो। भारत और चीन अब भी प्रतिस्पर्धी हैं और सीमा विवाद अनसुलझा है, लेकिन वे दो प्राचीन सभ्यताएं, बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और ऐसे पड़ोसी भी हैं, जिनके हित पूरे एशिया में एक-दूसरे से जुड़े हैं।

ऐसे में एससीओ जैसे साझा मंच प्रतिस्पर्धा को संभालने के अवसर देते हैं, बिना यह दिखावा किए कि बुनियादी मतभेद खत्म हो गए हैं। यही रणनीतिक स्वायत्तता है : वॉशिंगटन, मॉस्को और बीजिंग- तीनों से संवाद करने की क्षमता, बिना किसी एक रिश्ते को दूसरे रिश्तों को तय करने देने के।

ईरान युद्ध ने दिखाया है कि पश्चिम एशिया का कोई संकट कितनी तेजी से यूरेशिया पर असर डाल सकता है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रपति पेजेशकियान के साथ बैठक का महत्व द्विपक्षीय संबंधों से कहीं आगे तक जाता है। भारत के लिए ईरान एक महत्वपूर्ण भूगोल भी है।

पाकिस्तान भारत को मध्य एशिया तक सीधे जमीनी रास्ते से पहुंचने नहीं देता। अफगानिस्तान की स्थिति अब भी अनिश्चित है। ऐसे में चाबहार और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसी परियोजनाओं के लिए ईरान बेहद महत्वपूर्ण है।

पश्चिम एशिया और मध्य एशिया को अब पूरी तरह अलग-अलग रणनीतिक मोर्चों के रूप में नहीं देखा जा सकता। मध्य एशिया के तमाम देश हालात की नजाकत को समझते हैं। उनके रूस के साथ संबंध हैं, चीन से उनका आर्थिक जुड़ाव लगातार मजबूत हो रहा है और साथ ही वे अमेरिका, यूरोप, भारत तथा अन्य देशों के साथ व्यापक साझेदारियां भी तलाश रहे हैं। रणनीतिक विविधता अपने फैसलों और विकल्पों पर अधिक नियंत्रण देती है। भारत भी इससे अनभिज्ञ नहीं है।

गत जून में मैं किर्गिस्तान में इस्सीक-कुल इंटरनेशनल फोरम में था। इससे कुछ समय पहले मैंने एससीओ के महासचिव से पटना स्थित लोक भवन में मुलाकात की थी। इस्सीक-कुल में मैंने उस विचार की चर्चा की, जिसे हम बिहार में अब 'नालंदा एप्रोच' कहने लगे हैं।

प्राचीन नालंदा केवल एक विश्वविद्यालय ही नहीं था, वह ज्ञान का एक अंतरराष्ट्रीय इकोसिस्टम था, जो पूरे एशिया के विद्वानों और सभ्यताओं को जोड़ता था। इस सिद्धांत को आज के संदर्भ में निरंतर बौद्धिक संवाद के जरिए नया अर्थ दिया जा सकता है।

एससीओ जैसे मंच चर्चा का अवसर देते हैं, बिना यह दिखाए कि मतभेद खत्म हो गए हैं। यही रणनीतिक स्वायत्तता है- वॉशिंगटन, मॉस्को, बीजिंग- सभी से संवाद की क्षमता, किसी एक रिश्ते को दूसरे रिश्तों को तय करने देने के बिना।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हादसे के पहले व्यवस्था क्यों नहीं सुधारी जाती है

लोकतंत्र में पंचायत से लेकर विधानसभा,लोकसभा तक व्यवस्था इसलिए की जाती है कि निचले स्तर तक आदमी को कोई दिक्कत न हो। गांव,कस्बों,शहर की समस्या का स्थानीय स्तर पर जल्द से जल्द समाधान हो। पंचायत,नगर पालिका,नगर निगम को अधिकार दिए गए हैं,उनकी जिम्मेदारी तय की गई है,उनसे उम्मीद की गई है कि वह आम लोगों को सुरक्षित व बेहतर जीवन देंगे। विडंबना है कि आज यही संस्थाएं आम लोगों की उम्मीदों,अपेक्षा पर खरी नहीं उतर रहीं हैं, अपनी अधिकार उपयोग ठीक से नहीं कर रही है, अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निबाह रही हैं और इसका खामियाजा आए दिन आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।यानी कि आज वो संस्थाएं जिन पर आम लोगों की जीवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी है वही संस्थाएं ठीक से सुरक्षा नहीं कर पा रही है।

देश की राजधानी में एक बहुमंजिली इमारत का गिरना और कई लोगों का मारा जाना इस बात का एक ताजा उदाहरण है कि हमारी स्थानीय संस्थाओं की लापरवाही के कारण आए दिन हादसे होते हैं और हादसे के बाद सुरक्षा के उपाय किए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जो काम पहले किया जाना चाहिए हादसा न होने देने के लिए किया जाना चाहिए, वह काम हादसे के बाद क्यों किया जाता है।मेनहोल खुला है, हादसे के पहले उसे बंद किया जाना चाहिए नही किया जाएगा, हादसा होने के बाद उसे बंद किया जाएगा, सड़क में गड्ढे हो गए हैं, कोई हादसा होता है और कोई मर जाता है उसके बात स्थानीय संस्थाओं को याद आता है कि गडढों को पाटना उनकी जिम्मेदारी है।नालियों की सफाई न होने के कारण शहर में पानी भर जाता है तो पानी उतरने के बाद नाली की सफाई की जाती है।गली की इमारत में आग लग जाने के बाद पता चलता है कि वहां तो फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं जा सकती।इमारत के गिरने के बाद पता चलता है कि वह अवैध रूप से बनाई गई थी और अवैध रूप बेसमेंट में खुदाई की जा रही थी यानी उसकी अनुमति नहीं ली गई थी और उसी के कारण पांच मंजिली इमारत गिर गई और उसमे रहने वाले कुछ छात्रों की मौत हो गई।

दिल्ली में इमारत गिरने के बाद सात लोगों की मौत हो गई है,कई लोग घायल हुए हैं।इसके बाद हर तरह की जांच की कार्रवाई शुरू हो गई है, सारी संस्थाएं जाग गई हैं,पुलिस ने हास्टल मालिक को गिरफ्तार किया है,हाई कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली नगर निगम,दिल्ली विवि व दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है।दिल्ली सरकार ने कहा है कि दिल्ली की सभी पीजी मामलों की जांच की जाएगी और सुरक्षा की जानकारी ली जाएगी। नगर मे बनी इमारतों की पूरी जानकारी नगर निगम के पास होनी चाहिए। उसे समय समय पर जांच करनी चाहिए कि पुराने भवन आम लोगों के जीवन के लिए खतरा तो नहीं है।उसने यह काम नहीं किया। इसके लिए कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। किसी भी हादसे के बाद कुछ लोगों को जिम्मेदार मानकर कार्रवाई कर दिए जाने से तो अगला जो हादसा होना है, वह तो रुकने वाला नहीं है। कोई भी हादसा तो तब ही रुक सकता है जब हादसा होने से पहले सुरक्षा के उपाय पूरी गंभीरता से किए जाएं।

किसी भी तरह के हादसे रोकना एक सामूहिक जिम्मेदारी भी है।यह तो हर किसी की जिम्मेदारी है कि उसे कहीं भी किसी तरह के हादसे होने का अंदेशा हो तो वह उसे रोकने के लिए अकेले या सामूहिक रूप से उसके लिए प्रयास करे।सरकारी संस्थाओं से मिलकर बताए कि ऐसा न होने पर क्या हो सकता है। दिल्ली मे अच्छी युनिवर्सिटी है तो उसमें बाहर से युवा पढ़ने आते है तो यह विवि की जिम्मेदारी है कि बाहर से आने वाले बच्चों के लिए अच्छे हास्टल बनाए ताकि उनको बुरी स्थिति में रहकर पढ़ाई न करना पड़े। माता पिता की जिम्मेदारी है कि वह बच्चे के कहीं रहने की व्यवस्था कर रहे हैं तो वह हर तरह के जोखिम को जानने का प्रयास करें ताकि उनके बच्चे के साथ कोई हादसा न हो। राज्य सरकारों को अपने राज्य में अच्छी शिक्षा व्यवस्था करनी चाहिए ताकि राज्य के बच्चों को बाहर पढ़ने के लिए न जाना पड़े।

सबसे बुरी बात यह है कि हादसे होने के बाद भी उसे दूसरे राज्यों के निगम व पालिका गंभीरता से नहीं लेते हैं और यह मानकर चलते हैं दिल्ली में इमारत गिरी है हमारे क्षेत्र में नहीं गिर सकती।रायपुर नगर निगम क्षेत्र मे कई ऐसी इमारते हैं जो कभी भी गिर सकती है लेकिन उन्हें गिराया नहीं जा रहा है। कारण बताया जा रहा है कि संपत्ति विवाद के कारण उनको गिराया नहीं जा रहा है। निगम नोटिस जारी कर मान लेता है कि उसका काम खत्म हो गया है और पूछने पर यह भी कहता है कि हादसा होता है तो उसके लिए मकान मालिक जिम्मेदार होगा,उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सालाना 24 करोड़ का नुकसानः सालों से जलकर नहीं पटाया तो नल कनेक्शन अवैध 500 से ज्यादा लोगों को नियमितीकरण के लिए नोटिस

रायपुर। बड़े बकाएदारों पर कार्रवाई के साथ निगम ने अब अवैध नल कनेक्शनों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। निगम के रिकॉर्ड में 3.60 लाख प्रॉपर्टी हैं, जबकि वैध नल कनेक्शन सिर्फ 2.21 लाख दर्ज हैं। निगम का अनुमान है कि करीब 90 हजार अवैध नल कनेक्शन हैं।

इनमें लगभग 80 हजार घरेलू और 10 हजार व्यावसायिक हैं। इनसे निगम को सालाना करीब 24 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। जोनों में संपत्तिकर तो जमा हो रहा है और नल कनेक्शन भी है, लेकिन वर्षों से जलकर जमा होने का रिकॉर्ड नहीं है। ऐसे कनेक्शन को अवैध मानते हुए नियमितीकरण के नोटिस दिए जा रहे हैं। अब तक 500 से ज्यादा लोगों को नोटिस दिए जा चुके हैं।

निगम ने अगस्त से अवैध नल कनेक्शन नियमित करने का अभियान शुरू किया है। घरेलू कनेक्शन के लिए 5 हजार रुपए नियमितीकरण और करीब 15 हजार रुपए वैध नल कनेक्शन शुल्क देना है। आवेदन और शुल्क जमा कर कनेक्शन को प्रॉपर्टी आईडी से जोड़ा जा सकता है। व्यावसायिक अवैध कनेक्शनों का भी नियमितीकरण किया जा रहा है। इसके बावजूद अब तक 100 लोग भी नियमितीकरण कराने नहीं पहुंचे हैं।

30 से ज्यादा अवैध कनेक्शन

राजस्व आयुक्त डॉ. अंजलि शर्मा के मुताबिक पिछले महीने राजस्व विभाग की टीम बकाया वसूली और सीलबंदी के लिए पहुंची तो कई संपत्तियों में नल कनेक्शन भी मिले। रिकॉर्ड की जांच में अलग-अलग जोन में 30 से ज्यादा कनेक्शन अवैध पाए गए। इसके बाद ऐसे कनेक्शनों की जांच और नोटिस दी जा रही है।

जानें... जलकर की पूरी गणित

निगम घरेलू नल कनेक्शन पर सालाना 2400 रुपए और व्यावसायिक कनेक्शन पर 3600 रुपए जलकर लेता है। निगम के अनुमान के मुताबिक 80 हजार घरेलू और 10 हजार व्यावसायिक अवैध कनेक्शन हैं। इसी आधार पर निगम को हर साल करीब 24 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

नए क्रिमिनल लॉ पर अब डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू

रायपुर। नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद अब छत्तीसगढ़ में एफआईआर से चार्जशीट सीधे न्यायालय तक पहुंचाने की व्यवस्था तेज की जाएगी। सभी थानों को नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और ई-साक्ष्य के इस्तेमाल के लिए तकनीकी रूप से तैयार किया जाएगा। ई-समन जारी होने के बाद उसकी तामील और तय समय में ऑनलाइन चार्जशीट कोर्ट में पेश करने की व्यवस्था भी मजबूत होगी। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान ये निर्देश दिए। गृह मंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेशनल क्रिमिनल लॉ इम्प्लीमेंटेशन डैशबोर्ड के प्रत्येक मापदंड की समीक्षा की। जुलाई से छत्तीसगढ़ की रैंकिंग में हुए सुधार पर संतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी सिस्टम तैयार करने के साथ मैदानी अधिकारियों-कर्मचारियों की दक्षता भी बढ़ाई जाए।

रायपुर में अवैध कॉम्पलेक्स पर चला बुलडोजर

चंगोराभाठा में बिना अनुमति बन रहे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स पर निगम की कार्रवाई

रायपुर। रायपुर के चंगोराभाठा के रिंग रोड नंबर-1 इलाके में बिना अनुमति के बनाए जा रहे व्यावसायिक भवन पर नगर निगम ने कार्रवाई की है। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण को हटा दिया।

यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-5 नगर निवेश विभाग ने की। जोन-5 कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन में टीम ने संबंधित निर्माणकर्ता कमलकांत चंद्राकर को पहले नगर निगम अधिनियम के तहत नोटिस दिया। नोटिस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई।

मौके पर पहुंची नगर निगम की टीम

नगर निगम की टीम ने चंगोराभाठा रिंग रोड नंबर-1 स्थित निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। यहां स्वीकृत अनुमति के विपरीत व्यावसायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था। निगम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्माण को हटा दिया।

कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके और उपअभियंता टिकेन्द्र चंद्राकर मौजूद रहे।

नगर निगम ने साफ किया है कि शहर में भवन निर्माण के लिए निर्धारित नियमों और स्वीकृत अनुमति का पालन करना जरूरी है। अनुमति के विपरीत निर्माण मिलने पर संबंधित भवन मालिक या निर्माणकर्ता को नोटिस देकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बंजर पारा में 60 फीट सड़क चौड़ीकरण का विरोधः मकान टूटने के डर से निगम के बाहर सैकड़ों लोगों ने दिया धरना

रायपुर। रायपुर के सड्डू के बंजर पारा में प्रस्तावित 60 फीट सड़क को लेकर आज सैकड़ों लोग नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। मकान टूटने के डर से लोगों ने नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के साथ निगम मुख्यालय के बाहर करीब 2 घंटे तक धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि, विकास के नाम पर उन्हें बेघर नहीं किया जाना चाहिए।

इस प्रदर्शन के दौरान बस्तीवासियों ने अपनी समस्या नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के सामने रखी। उनका कहना है कि बंजर पारा में करीब 350 परिवार लंबे समय से रह रहे हैं। लोगों को डर है कि सड़क निर्माण के लिए उनके मकानों को तोड़ा जा सकता है।

बस्तीवासियों के मुताबिक, बंजर पारा पहले सड्डू ग्राम पंचायत का हिस्सा था। बाद में नगर निगम में शामिल होने के बाद यह वार्ड क्रमांक-9 मोतीलाल नेहरू वार्ड में आ गया। लोगों का दावा है कि उन्हें 1998 में राजीव गांधी पट्टा मिला था। इसके बाद 2021-22 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी पट्टा दिया गया और पक्के मकान बनाए गए।

बस्तीवासियों का कहना है कि सरकार की ओर से यहां सड़क, बिजली, नाली और पानी जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। वे लंबे समय से नगर निगम को टैक्स भी दे रहे हैं। ऐसे में अब सड़क के लिए मकान टूटने की बात सामने आने से लोगों में नाराजगी है।

धरने के बाद नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने निगम आयुक्त लोकेश्वर साहू और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाया। उन्होंने बस्तीवासियों का ज्ञापन सौंपते हुए मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

आकाश तिवारी ने कहा कि जनता को विश्वास में लिए बिना ऐसा विकास नहीं किया जा सकता, जिससे लोग बेघर हो जाएं। उन्होंने कहा कि अगर बंजर पारा का एक भी मकान तोड़ा गया तो कांग्रेस बस्तीवासियों के साथ खड़ी रहेगी और सड़क की लड़ाई लड़ेगी।

नया सिस्टम बनने से समुद्र से आ रही नमी बढ़ेगीः 10 तारीख से सरगुजा और 11-12 सितंबर को रायपुर में झमाझम बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की बारिश का दायरा बेहद सिमट गया है। प्रदेश में बारिश मापने वाले 247 केंद्रों में से पिछले 24 घंटे में 228 पर एक बूंद भी बारिश नहीं हुई। यानी 92.31% केंद्र पूरी तरह सूखे रहे। सिर्फ 10 केंद्रों पर 2.5 मिमी या इससे अधिक बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के मापदंड के अनुसार इन्हें रेनी डे की श्रेणी में रखा गया। यह कुल केंद्रों का महज 4.05% है।

अब नया मौसमी सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इससे 10 सितंबर से बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। सरगुजा संभाग में 10 सितंबर को कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 और 12 सितंबर को रायपुर और बस्तर संभाग में भी अधिकांश जगहों पर वर्षा की संभावना है। प्रदेश में 10 सितंबर से मानसूनी गतिविधियां बढ़ने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के मध्य हिस्से का कम दबाव क्षेत्र कमजोर पड़ गया है, लेकिन इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण उत्तर प्रदेश और बिहार के ऊपर बना है। मानसून द्रोणिका फिरोजपुर, मुजफ्फरनगर, बस्ती, डेहरी और दीघा होते हुए उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक फैली है।

बीएससी कृषि प्रवेशः जारी मेरिट लिस्टः 396 सीटों पर होगा फैसला,अब तक 1,951 सीटों में से 1,555 सीटों पर प्रवेश पूरा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी (ऑनर्स) कृषि में प्रवेश के लिए पीएटी और कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर चल रही काउंसिलिंग के बाद अब 9 सितंबर को मेरिट लिस्ट जारी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से दो दिन की ऑफलाइन दस्तावेज जांच के बाद पात्र अभ्यर्थियों की प्रावीण्य सूची दोपहर 3 बजे जारी की जाएगी। इस काउंसिलिंग के जरिए बीएससी (ऑनर्स) कृषि की बची हुई 396 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इन सीटों के लिए पीएटी और कक्षा 12वीं के आधार पर कुल 577 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इससे पहले

विश्वविद्यालय में कुल 1,951 सीटों में से 1,555 सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है।

मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद अभ्यर्थियों को उनकी पात्रता और उपलब्ध सीटों के आधार पर सीट आवंटित की जाएगी। इसके बाद निर्धारित तारीख पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर में पहुंचकर सीट की पुष्टि और प्रवेश शुल्क जमा करना होगा।

पीएटी उत्तीर्ण पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए 10 सितंबर, छत्तीसगढ़ के मूल निवासी और कक्षा 12वीं के आधार पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 11 सितंबर, जबकि अन्य राज्यों के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए 12 सितंबर को सीट आवंटन और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया होगी। अभ्यर्थियों को सीट आवंटन के समय अपने सभी जरूरी मूल दस्तावेज साथ लेकर उपस्थित होना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तारीख और समय पर उपस्थित होकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है।

1,951 में से 396 सीटें खाली

बीएससी (ऑनर्स) कृषि में इस सत्र में कुल 1,951 सीटें हैं। इनमें से 1,555 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 396 सीटों को पीएटी और 12वीं के अंकों के आधार पर भरा जा रहा है। इस चरण में आवेदन करने वाले 577 अभ्यर्थियों के बीच इन सीटों के लिए मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

रायपुर कलेक्टर ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षाःHPV वैक्सीनेशन 100% करने और बीमारियों की स्क्रीनिंग बढ़ाने के दिए निर्देश

रायपुर। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की। ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में उन्होंने सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में तय लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और जहां प्रगति कम है, वहां तेजी लाने को कहा है।

कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और संस्थागत प्रसव की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने आगामी सप्ताह तक गर्भवती महिलाओं का पंजीयन 90 प्रतिशत और प्रथम तिमाही में पंजीयन 95 प्रतिशत तक पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने को कहा।

टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि, कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत **HPV** टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पोषण पुनर्वास केंद्र में 100 प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी का लक्ष्य पूरा करने और धरसींवा **NRC** को जल्द शुरू करने को कहा।

गैर-संचारी रोग कार्यक्रम के तहत उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच में लक्ष्य के मुकाबले 90 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल करने को कहा गया।

450 ML ब्लड लेकर रिफ्रेशमेंट में सिर्फ 1 ग्लास पानी : 20 दिन से फ्रूटी-बिस्किट बंद, अंबेडकर अस्पताल में प्रदेश का सबसे बड़ा ब्लड बैंक बेहाल

रायपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में प्रदेश के सबसे बड़े मॉडल ब्लड बैंक का हाल इन दिनों बेहाल है। हर साल करीब ढाई करोड़ की आय वाले इस ब्लड बैंक में रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट के तौर पर फ्रूटी, चिप्स और बिस्किट देने के लिए बजट नहीं है। यही कारण है कि 450 एमएल ब्लड देने वाले रक्तदाताओं को पिछले 20 दिनों से ब्लड बैंक एक ग्लास (प्लास्टिक) पानी देकर ही काम चला रहा है।

रक्तदान के बाद डोनरों को बताया जा रहा है कि रिफ्रेशमेंट के लिए फ्रूटी, चिप्स और बिस्किट उपलब्ध नहीं हैं। खास बात यह है कि ब्लड बैंक ने करीब 25 दिन पहले ही रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था के लिए अंबेडकर अस्पताल प्रबंधन को पत्र लिखकर सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की थी। इसके बावजूद अब तक खरीदी नहीं हो पाई है। विभागीय स्तर पर देरी के कारण डोनरों को मिलने वाली सामान्य सुविधा प्रभावित हो रही है। हालांकि, ब्लड बैंक के अफसरों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन ने जैम पोर्टल के माध्यम से फ्रूटी, चिप्स और बिस्किट की खरीदी का ऑर्डर दे दिया है। अधिकारियों के अनुसार इसी सप्ताह सामग्री उपलब्ध हो जाएगी।

मंगलवार की रात 9 बजेः मॉडल ब्लड बैंक में शाम 6 बजे के बाद केवल इमरजेंसी में ही रक्त लिया जाता है। रात 9 बजे विवेकानंद नगर निवासी दीपक सोरी अपनी बीमार भतीजी के लिए ब्लड डोनेट करने पहुंचे। रक्तदान के बाद उन्हें पानी के अलावा चाय, कॉफी, बिस्किट या फ्रूटी कुछ नहीं दिया गया। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से डोनरों को रिफ्रेशमेंट नहीं दिया जा रहा है। फिलहाल केवल आरओ का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

अंबेडकर अस्पताल के मॉडल ब्लड बैंक में रोज 50 से 55 लोग रक्तदान कर रहे हैं। एक साल में करीब 15 हजार यूनिट ब्लड कलेक्शन होता है। इसमें डोनर करीब 3,500 यूनिट और रिप्लेसमेंट डोनर 11,500 यूनिट ब्लड देते हैं। इससे विभाग सालभर में 45 हजार यूनिट ब्लड कंपोनेंट तैयार कर रहा है। विभाग आरसीसी के लिए 1,100 रुपए, प्लेटलेट के लिए 300 रुपए, एसडीपी के लिए 11 हजार रुपए और एफएफपी के लिए 300 रुपए ले रहा है। ये ब्लड कंपोनेंट दूर-दराज से आने वाले मरीजों और बच्चों को उपलब्ध कराए जाते हैं।

मॉडल ब्लड बैंक में रक्तदान करने वाले डोनरों को रक्तदान के बाद रिफ्रेशमेंट दिया जाता है। कई बार रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिसमें डोनरों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में फिलहाल लिक्विड दिया जाता है। वर्तमान में डोनरों को रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।- **सुभ्रा सिंह, पीआरओ, आंबेडकर अस्पताल**

अंबेडकर अस्पताल को सालाना 18 हजार यूनिट की जरूरत, कलेक्शन 15 हजार

ब्लड बैंक के अफसरों के अनुसार अंबेडकर अस्पताल में प्रदेशभर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल को एक साल में करीब 18 हजार यूनिट ब्लड की जरूरत होती है, जबकि ब्लड बैंक में करीब 15 हजार यूनिट ही कलेक्शन हो पा रहा है। यानी जरूरत और कलेक्शन के बीच करीब तीन हजार यूनिट का अंतर है। इसकी वजह से दूर-दराज से आने वाले मरीजों को जरूरत के समय ब्लड के लिए भटकना पड़ता है। अफसरों का कहना है कि व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ब्लड के लिए मरीज को फोन करने की जरूरत न पड़े। लेकिन निजी जगहों पर ब्लड बैंक खुलने से पर्याप्त मात्रा में ब्लड उपलब्ध नहीं हो पाता है। इस कारण दिक्कत आती है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। मेष राशि के जातकों के लिए दिन निजी नौकरी और कार्यक्षेत्र के लिहाज से उपलब्धियों भरा रह सकता है। आपकी मेहनत और सक्रियता का सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में आपकी भूमिका बढ़ सकती है और अधिकारी आपके काम की सराहना कर सकते हैं। हालांकि, काम के दौरान उतावलेपन से बचना जरूरी होगा।

वृषभ। वृषभ राशि वालों के लिए दिन आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रह सकता है। रियल एस्टेट से जुड़ी कोई फायदेमंद डील सामने आ सकती है, लेकिन दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच किए बिना आगे न बढ़ें। अरुण ग्रह यानी यूरेनस के वक्री होने के कारण पुराने मामलों या योजनाओं पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी व्यावहारिक सोच आपको दूसरों से आगे रखेगी।

मिथुन। मिथुन राशि के जातकों के लिए नए विचारों और पुरानी योजनाओं पर पुनर्विचार करने का समय है। आप किसी ऐसे काम को दोबारा शुरू कर सकते हैं, जिसे पहले अधूरा छोड़ दिया गया था। कार्यक्षेत्र में आपकी बौद्धिक क्षमता और संवाद शैली प्रभावी रहेगी। सहकर्मियों से सहयोग मिलने के कारण काम आसानी से पूरा हो सकता है।

कर्क। कर्क राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। प्रमोशन, नई जिम्मेदारी या किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में भूमिका मिलने की संभावना बन रही है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और आपकी मेहनत को पहचान मिल सकती है। नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों को भी अच्छे अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए बजट बनाकर चलें।

सिंह। सिंह राशि वालों के लिए दिन सितारों के अनुकूल रहने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत बनने के संकेत मिल रहे हैं। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे भविष्य में लाभ मिलेगा। व्यापार में कोई नई योजना या सौदा आपकी स्थिति बेहतर कर सकता है। हालांकि, किसी भी निवेश में जोखिम उठाने से पहले पूरी जानकारी जरूर लें।

कन्या। कन्या राशि में नया चंद्रमा आपकी सेहत, कार्यप्रणाली और दैनिक जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा दे सकता है। पुराने कामों को व्यवस्थित करने और नई दिनचर्या अपनाने का यह अच्छा समय है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और व्यवस्थित सोच का लाभ मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से पूरा करने पर प्रशंसा मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और खर्चों को नियंत्रित रखना जरूरी होगा।

तुला। तुला राशि के जातकों के लिए बुध का आपकी राशि में प्रवेश संवाद और रिश्तों के लिहाज से शुभ संकेत दे रहा है। बातचीत के माध्यम से लंबे समय से अटके किसी मामले को सुलझाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी और व्यवहार-कुशलता की प्रशंसा हो सकती है। व्यापारियों को नए संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है।

वृश्चिक। वृश्चिक राशि के लिए शुक्र का प्रवेश आकर्षण, आत्मविश्वास और सामाजिक प्रभाव बढ़ाने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रस्तुति और व्यक्तित्व से लोग प्रभावित होंगे। नौकरी में नए अवसर या जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापार में रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और पुराने सौदे से लाभ होने के संकेत हैं। हालांकि, आर्थिक मामलों में भावनाओं के आधार पर निर्णय लेने से बचें।

धनु। धनु राशि के जातकों के लिए सहकर्मियों और पार्टनर का सहयोग कार्यक्षेत्र में प्रगति का कारण बन सकता है। टीम में काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे और किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता हासिल हो सकती है। व्यापारियों के लिए साझेदारी से जुड़ा कोई अवसर सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी, लेकिन बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें। वरिष्ठ लोगों की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मकर। मकर राशि वालों के लिए कामकाज के सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। मेहनत से किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और वरिष्ठ जनों की सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापार से जुड़े लोगों को पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी, लेकिन खर्चों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। परिवार के किसी सदस्य की उपलब्धि से खुशी मिलेगी।

कुंभ। कुंभ राशि के जातकों के लिए रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में लाभ के योग बन रहे हैं। यदि संपत्ति खरीदने या बेचने की योजना है तो कागजी कार्रवाई पूरी सावधानी से करें। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और पुराने निवेश से भी लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि, मानसिक तनाव को कम करना आपके लिए जरूरी रहेगा। अत्यधिक सोच-विचार के कारण मन अशांत हो सकता है। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने से राहत मिलेगी।

मीन। मीन राशि के जातकों के लिए रचनात्मक कार्यों और नए विचारों को विकसित करने का अच्छा समय है। आपकी कल्पनाशक्ति मजबूत रहेगी और किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए प्रेरणा मिल सकती है। कला, लेखन, डिजाइन या अन्य रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आपकी प्रतिभा की सराहना हो सकती है। व्यापार में नई योजनाओं पर विचार करें, लेकिन अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं की जांच जरूर करें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

सभी विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे 50 बेड के अस्पताल

प्रसव से लेकर स्त्री रोग और नवजात शिशुओं के इलाज तक एक ही जगह मिलेंगी सुविधाएं

रांची। झारखंड में गर्भवती महिलाओं, नवजातों और बच्चों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग बड़ी तैयारी कर रहा है। राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में 50-50 बेड के मातृ एवं शिशु अस्पताल बनाए जाएंगे।

इन अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं की प्रसव से पहले जांच, प्रसव, प्रसव के बाद की देखभाल, स्त्री रोगों के इलाज के साथ नवजात और बच्चों के उपचार की सुविधा होगी। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि राज्य में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से यह योजना तैयार की गई है। इसे जल्द लागू करने की दिशा में काम किया जाएगा और निर्माण कार्य शुरू होगा।

वह सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी है

महिलाओं-बच्चों के लिए 4050 बेड होंगे.. योजना के तहत प्रत्येक अस्पताल में 50 बेड होंगे। इस तरह राज्य में कुल 81 मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल शुरू होने के बाद एक साथ लगभग 4050 बेड की क्षमता विकसित होगी। इन अस्पतालों का फोकस मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों की चिकित्सा जरूरतों पर रहेगा। स्त्री रोग से संबंधित समस्याओं के इलाज और बच्चों के सामान्य व गंभीर रोगों के उपचार की व्यवस्था भी यहां की जाएगी।

सीएचसी की परेशानियों का कम होगा बोझ...वर्तमान में राज्य के कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव और महिलाओं व बच्चों के इलाज की सुविधाएं सीमित हैं। कई जगह विशेषज्ञ डॉक्टरों, पर्याप्त बेड और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को जिला अस्पताल या बड़े मेडिकल संस्थानों में रेफर करना पड़ता है। नई योजना लागू होने के बाद विधानसभा स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए समर्पित अस्पताल उपलब्ध होंगे। इससे सीएचसी पर बढ़ने वाला दबाव कम होगा।

जिला अस्पतालों से सीधे जुड़ेंगे अस्पताल...इन अस्पतालों को संबंधित जिला अस्पतालों से जोड़ा जाएगा। यदि किसी गर्भवती महिला, नवजात या बच्चे की स्थिति गंभीर होने पर जिला अस्पताल से तत्काल सहायता और आगे के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे मरीजों को रेफर करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है।

गर्भवती महिलाओं को क्या मिलेगा फायदा...इस योजना का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। उन्हें प्रसव या गर्भावस्था से जुड़ी समस्याओं के इलाज के लिए जिला मुख्यालय तक बार-बार जाने की जरूरत कम होगी।

बच्चों के इलाज में भी होगी राहत

योजना का दूसरा लाभ बच्चों और नवजातों को मिलेगा। शुरुआती स्तर पर बीमारी की पहचान और इलाज होने से गंभीर स्थिति को रोकने में मदद मिल सकती है। माता-पिता को कई आवश्यक उपचार के लिए बड़े अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। विशेषकर दूरदराज के इलाकों में रहने वाले परिवारों को इससे समय और खर्च में राहत मिलने की उम्मीद है।

हाईकोर्ट का फैसला : पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी पत्नी सरकारी नौकरी में अनुकंपा नियुक्ति का हक नहीं मांग सकती

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि सरकारी कर्मचारी की पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी पत्नी अनुकंपा पर नियुक्ति का दावा नहीं कर सकती। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने मार्था मुर्मू की ओर से दाखिल एलपीए (लेटर पेटेंट अपील) खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि किसी समुदाय के प्रथागत कानून में दूसरी शादी की अनुमति होने के बावजूद सरकारी कर्मचारी पर लागू सेवा आचरण नियमों का पालन जरूरी है। पहली पत्नी के रहते और सरकारी अनुमति के बिना की गई दूसरी शादी के आधार पर दूसरी पत्नी सरकारी नौकरी में अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं मांग सकती।

बरनवास माल्टू की मृत्यु के बाद अनुकंपा पर नौकरी के लिए पहली बार 2013 में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हुई थी। पहली पत्नी सरोजिनी किस्कू और दूसरी पत्नी मार्था मुर्मू ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की थीं। दिवंगत कर्मचारी के दस्तावेजों में भी दोनों महिलाओं का उल्लेख था। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पहली पत्नी और दूसरी पत्नी के नाबालिग बेटे के अधिकारों पर भी विचार किया। अदालत ने बच्चे को मृत कर्मचारी का क्लास-1 कानूनी उत्तराधिकारी माना था। यानी बच्चे के वैधानिक अधिकार और दूसरी पत्नी के व्यक्तिगत सेवा लाभ के दावे को अलग-अलग माना गया।

साहिबगंज के बोरियो प्रखंड में पंचायत सेवक रहे बरनवास माल्टू की सेवाकाल के दौरान 11 जुलाई 2011 को मृत्यु हो गई थी। उनकी पहली पत्नी सरोजिनी किस्कू थीं। बाद में मार्था मुर्मू ने खुद को उनकी दूसरी पत्नी बताते हुए अनुकंपा नियुक्ति का दावा किया। उनका कहना था कि वह और दिवंगत कर्मचारी संथाल समुदाय से हैं और संथाल प्रथागत व्यवस्था में दूसरी शादी की अनुमति है। इसलिए उन्हें अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता।

इस फैसले का असर दूसरी शादी करने वाले सरकारी कर्मचारियों के परिवारों से जुड़े मामलों पर पड़ सकता है। फैसले से साफ है कि प्रथागत कानून में दूसरी शादी की अनुमति होने के बावजूद सरकारी कर्मचारी सेवा आचरण नियमों से बाहर नहीं हो सकते। बिना सरकारी अनुमति दूसरी शादी करने पर बाद में सेवा लाभ से जुड़े विवाद में दूसरी पत्नी का दावा मुश्किल हो सकता है। हालांकि, दूसरी पत्नी से पैदा बच्चे के अधिकार को कोर्ट ने अलग माना है। बच्चे को पिता की संपत्ति या अन्य अधिकारों से सिर्फ इस आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता कि माता-पिता की शादी सेवा नियमों के लिहाज से विवादित थी।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सुधार की कवायद ढीली

रांची। छात्र आंदोलन खत्म होते ही जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा प्रणाली में सुधार की कवायद ढीली हो गई। रिफॉर्म के लिए कमेटी की घोषणा तो हुई, पर 21 दिन बाद भी कमेटी का गठन नहीं हुआ। बस एक आदेश जारी हुआ कि जेपीएससी-जेएसएससी में परीक्षा रिफॉर्म पर वृहद अध्ययन के लिए उत्पाद विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में कमेटी गठित बनेगी। इसमें अन्य अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे, लेकिन सदस्यों की अब तक नियुक्ति ही नहीं हुई।

गौरतलब है कि 18 अगस्त को कार्मिक विभाग ने रिफॉर्म के लिए अधिसूचना जारी की थी। कहा गया था कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में रिफॉर्म के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों के निदेशक और सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में बनने वाली कमेटी का मुख्य उद्देश्य जेपीएससी-जेएसएसी की भर्ती परीक्षाओं में 2014 से अब तक हुई अनियमितताओं की व्यापक समीक्षा करना और भर्ती व्यवस्था में सुधार सुझाना है। कमेटी को दो माह में सरकार को रिपोर्ट सौंपनी है। इसमें कमेटी को भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ाने के उपाय सुझाने के साथ साथ भविष्य में पेपर लीक रोकने के लिए सुधार का सुझाव भी देना है।

जेपीएससी-जेएसएससी में अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती के लिए एक गाइडलाइन और नई सेवा शर्त बनाने को लेकर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की गई। 25 अगस्त को गठित समिति को अनुशंसा रिपोर्ट देनी है। अनुशंसा के अनुरूप जेपीएससी-जेएसएससी में तैनाती होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि आयोगों की संवैधानिक व वैधानिक स्वायत्तता को अक्षुण्ण रखते हुए वहां पदस्थापित अधिकारियों व कमर्चारियों की सेवा शर्त एवं नियुक्ति प्रक्रिया तय होगी।

सहारा के दावों में 107 करोड़ रुपये का भुगतान बाकीः चिटफंड में फंसे पैसे लौटाने की प्रक्रिया शुरू, माह में 1 केस निपटाना होगा

रांची। राज्य सरकार ने चिटफंड और नॉन-बैंकिंग कंपनियों में जमा कराए गए निवेशकों के पैसे लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजस्व पर्षद के अध्यक्ष मस्तराम मीना की अध्यक्षता में गठित समिति ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों को हर माह कम से कम एक मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया है।

निवेशकों को राशि लौटाने के लिए लंबित मामलों की समीक्षा के बाद समिति ने यह फैसला लिया। इस समिति का गठन हाईकोर्ट में दायर पीआईएल 585/2017 और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसएलपी 2786/2024 के क्रम में किया गया है। समिति की बैठक 21 सितंबर को प्रस्तावित है। इससे पहले सभी आयुक्तों को नोडल पदाधिकारियों के माध्यम से निपटाए मामलों का ब्यौरा देने को कहा गया है।

कई चिटफंड और नॉन-बैंकिंग कंपनियों की संपत्ति जब्त हो चुकी है। कुछ मामलों में चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। इन चार्जशीट में पीड़ित निवेशकों का पूरा विवरण उपलब्ध है। अब सभी प्रमंडलीय आयुक्तों को अपने नोडल पदाधिकारियों के माध्यम से इन निवेशकों की पूरी जानकारी जुटाने को कहा गया है। इससे जब्त संपत्ति से प्राप्त राशि को वास्तविक पीड़ितों तक पहुंचाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी।

मरम्मत के कारण रूक्का प्लांट में 8 घंटे का शटडाउनः रांची के 5 लाख घरों में आज नहीं आएगा पानी, 11 से राहत

रांची। राजधानीवासियों को बुधवार को जल संकट का सामना करना पड़ेगा। रांची शहरी जलापूर्ति योजना के तहत रूक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाली मुख्य राइजिंग पाइपलाइन में आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

इस कारण बुधवार सुबह 6:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक करीब 8 घंटे प्लांट पूरी तरह बंद रहेगा। प्लांट में शटडाउन के चलते रूक्का से जुड़े शहर के कम से कम 5 लाख घरों में जलापूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी। पेयजल विभाग (रूक्का एवं बूटी प्रमंडल) के कार्यपालक अभियंता (ईई) सुमित कुमार ने बताया कि 8 घंटे के शटडाउन का सीधा असर अगले दिन यानी गुरुवार को भी दिखाई देगा। व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर आने के बाद 11 सितंबर से ही शहर में वाटर सप्लाई सामान्य हो सकेगी।

मेन रोड, हिंदपीढ़ी, ओसीसी, चर्च रोड, बहु बाजार, कांटाटोली, लालपुर, कोकर, कोकर दीपाटोली, दीपाटोली, चुटिया, रांची रेलवे स्टेशन इलाका, वर्धमान कंपाउंड। बरियातू हाउसिंग कॉलोनी, बरियातू रोड, रिम्स परिसर, करमटोली, मोरहाबादी, बूटी, मेसरा, विकास, इरबा। रातू रोड, पहाड़ी टोला, मधुकम, गाड़ीखाना चौक, अपर बाजार, आनंद नगर, किशोरगंज, कैलाश नगर, जयप्रकाश नगर, पिस्का मोड़।

मेन रोड, हिंदपीढ़ी, ओसीसी, चर्च रोड, बहु बाजार, कांटाटोली, लालपुर, कोकर, कोकर दीपाटोली, दीपाटोली, चुटिया, रांची रेलवे स्टेशन इलाका, वर्धमान कंपाउंड। बरियातू हाउसिंग कॉलोनी, बरियातू रोड, रिम्स परिसर, करमटोली, मोरहाबादी, बूटी, मेसरा, विकास, इरबा। रातू रोड, पहाड़ी टोला, मधुकम, गाड़ीखाना चौक, अपर बाजार, आनंद नगर, किशोरगंज, कैलाश नगर, जयप्रकाश नगर, पिस्का मोड़।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7						9	4
1	9	2				7		
5	4			3			2	
6			8	7	5		4	1
		9	6				5	
	3			4				6
7			2				3	
			5			8		9

पिछले अंक का उत्तर

4	7	6	5	3	2	8	1	9
2	5	8	1	4	9	7	3	6
1	9	3	7	6	8	4	2	5
6	4	7	8	2	5	1	9	3
5	1	9	3	7	6	2	8	4
3	8	2	9	1	4	5	6	7
9	2	4	6	8	7	3	5	1
7	6	1	2	5	3	9	4	8
8	3	5	4	9	1	6	7	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

तालाब के पास नही है सीसीटीवी कैमरा और गार्ड

रांची। शहर के बीचों-बीच स्थित ऐतिहासिक बड़ा तालाब अब हादसों और मौतों का सबसे खामोश किनारा बनता जा रहा है। तीन थानों हिंदपीढ़ी थाना, डेलीमार्केट थाना और कोतवाली थाना की सीमाओं से घिरे होने के बावजूद जमीनी स्तर पर सुरक्षा पूरी तरह नदारद है।

मानसिक तनाव, बीमारी या पारिवारिक विवाद से घिरे लोग अक्सर यहां गहरे पानी में छलांग लगा देते हैं। पुलिस न तो किसी को तालाब में कूदने से पहले रोक पाती है और न ही शव मिलने के बाद मौत की वजह तुरंत स्पष्ट कर पाती है। तालाब के आस-पास मौजूद लोगों की सूचना के बाद कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंचती है, शव को पानी से निकलवाती है और उसकी पहचान करा शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजकर सभी औपचारिकताएं पूरी कर देती है। सुरक्षा जीरो, आसपास सीसीटीवी कैमरा तक नहीं : तालाब के आसपास सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। तालाब के पास संवेदनशील जगहों पर न तो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

महिला एशिया कप सेमीफाइनल में भारत-बांग्लादेश की भिड़ंत:UAE को 34 रन से हराकर बांग्लादेश अंतिम-4 में; आज दुबई में मुकाबला

महिला एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश ने ,श्व को 34 रन से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन बनाए। जवाब में ,श्व की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना सकी। अब 10 सितंबर को पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश का सामना भारत से होगा। मुकाबला दुबई में शाम 8 बजे से खेला जाएगा।

55 रन पर 6 विकेट गंवा चुका था बांग्लादेश, शर्मिन ने संभाली पारी

बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। टीम ने 55 रन तक पहुंचते-पहुंचते 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद शर्मिन अख्तर ने 31 गेंदों पर 38 रन की अहम पारी खेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंदों पर 23 रन बनाए।

शर्मिन ने नाहिदा अख्तर के साथ सातवें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। नाहिदा ने 26 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से बांग्लादेश 100 रन का आंकड़ा पार कर सका और 20 ओवर में 103/7 का स्कोर बनाया।

सुरक्षा कोटे ने 4 ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट लिए

UAE की ऑफ स्पिनर सुरक्षा कोटे ने बांग्लादेश की पारी पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके स्पेल में 16 डॉट गेंदें रहीं।

सुरक्षा ने पावरप्ले में बांग्लादेश के दो विकेट निकाले। इसके बाद उन्होंने कप्तान निगार सुल्ताना को भी आउट किया। UAE की गेंदबाजी के कारण बांग्लादेश को बड़े स्कोर तक पहुंचने के लिए आखिरी ओवरों तक संघर्ष करना पड़ा।

104 रन के लक्ष्य में UAE की शुरुआत खराब, मरुफा ने 2 विकेट लिए

104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी UAE की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मरुफा अख्तर ने नई गेंद से कप्तान ईशा ओजा और समाइरा धरनिधारका को पवेलियन भेज दिया।

मरुफा ने 4 ओवर में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। पावरप्ले खत्म होने तक UAE का स्कोर 15 रन पर 2 विकेट था। इसके बाद बांग्लादेश के स्पिनर्स ने रन बनाने की रफ्तार पर अंकुश बनाए रखा। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने UAE को लगातार दबाव में रखा। राबेया खान ने 3 विकेट लिए, जबकि नाहिदा अख्तर ने 2 विकेट चटकाए। UAEके बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सके और 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाए।

UAE की पारी में 70 डॉट गेंदें रहीं। टीम की ओर से हीना हॉटचंदानी 18 रन के साथ टॉप स्कोरर रहीं। बांग्लादेश ने 34 रन से मैच जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया।

अब बांग्लादेश के सामने सेमीफाइनल में भारत की चुनौती होगी। भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपने तीनों मैच जीते और टॉप पर रहते हुए अंतिम-4 में जगह बनाई।

भारत ने अपने पिछले मैच में पाकिस्तान को 55 रन पर ऑलआउट कर 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले टीम ने हांगकांग को 137 रन से हराया था।

भारत की स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंदों पर 124 रन की पारी खेली थी। इस पारी के साथ वह विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर बनीं।

दीप्ति शर्मा ने थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग को पीछे छोड़कर महिला T20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। वहीं शेफाली वर्मा महिला T20I में 3,000 रन का आंकड़ा छूने वाली सबसे कम उम्र की और सबसे तेज खिलाड़ियों में शामिल हुईं।

दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और श्रीलंका की भिड़ंत होगी। यह मुकाबला 11 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में शाम 8 बजे से खेला जाएगा। पाकिस्तान ने हांगकांग को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं श्रीलंका ग्रुप-क्च में टॉप पर रहा और टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। श्रीलंका ने ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया था।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा टूटा, 75,000 के स्तर पर कारोबार; निफ्टी भी 150 अंक फिसला, IT-बैंकिंग शेयरों में दबाव

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 9 सितंबर को कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। सेंसेक्स में 500 अंक से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 75,000 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी लगभग 150 अंक टूटकर 23,500 के आसपास पहुंच गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव IT और बैंकिंग शेयरों में देखने को मिला। कारोबारी सत्र की शुरुआत में सेंसेक्स करीब 584 अंक गिरकर 74,993 के स्तर पर और निफ्टी 147 अंक की गिरावट के साथ 23,488 के आसपास आ गया था।

IT सेक्टर के प्रमुख शेयरों में ॥ष्टरुटेक, टेक महिंद्रा और इंफोसिस में 2.7% से ज्यादा की गिरावट रही। TCS और SBI के शेयर भी दबाव में कारोबार करते दिखे। दूसरी ओर सन फार्मा, एलएंडटी और कोटक बैंक जैसे कुछ शेयरों में मामूली तेजी रही।

बाजार में कमजोरी के पीछे वैश्विक संकेत भी अहम माने जा रहे हैं। अमेरिका में पिछले कारोबारी सत्र में प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। महंगे कच्चे तेल से महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने की चिंता निवेशकों के **sentiment** पर असर डाल रही है।

चांदी 1,891 बढ़कर 2.36 लाख किलो पर पहुंची: सोना ?355 महंगा होकर 1.53 लाख का 10 ग्राम हुआ, आगे और बढ़ सकते हैं दाम

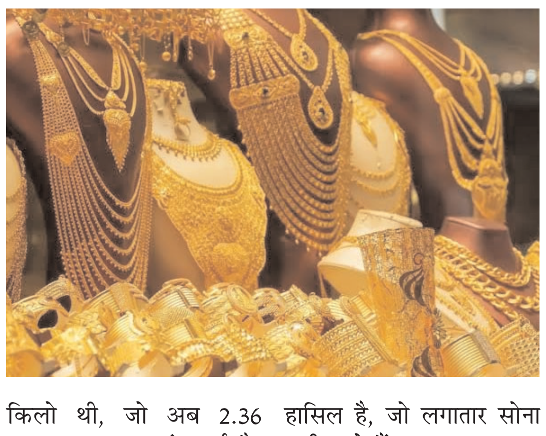

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 9 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 355 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 1,891 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए हो गई है।

इस साल सोना 20 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.36 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू
वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

बांग्लादेश-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का शेड्यूल जारी:28 अक्टूबर से मीरपुर में पहला टेस्ट; 5 नवंबर से सिलहट में दूसरा मुकाबला

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का शेड्यूल जारी कर दिया है। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 5 नवंबर से सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

दोनों मैच ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा होंगे। टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज 22 अक्टूबर से तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच भी खेलेगा।

बांग्लादेश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई है। इसके बाद टीम WTC पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

बांग्लादेश ने मौजूदा WTC चक्र में अब तक 6 टेस्ट खेले हैं। इनमें 3 जीत, 2 हार और एक ड्रॉ शामिल है। टीम को इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज हार मिली थी, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में बांग्लादेश ने 2-0 से जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज 8वें नंबर पर, 12 में सिर्फ 2 टेस्ट जीते

वेस्टइंडीज की टीम WTC पॉइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर है। टीम ने इस चक्र में 12 टेस्ट खेले हैं, जिनमें उसे सिर्फ 2 मैचों में जीत मिली। 8 मुकाबलों में हार और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं।

WTC में 9 टीमें शामिल हैं और पाकिस्तान 9वें स्थान पर है। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीरीज वेस्टइंडीज के लिए अंक जुटाने का अहम मौका होगी।

वेस्टइंडीज ने WTC के मौजूदा चक्र की शुरुआत लगातार 5 हार के साथ की थी। टीम को घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से हार मिली।

इसके बाद भारत दौरे पर दो टेस्ट की सीरीज में भी वेस्टइंडीज को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-0 से जीत दर्ज कर पहली जीत हासिल की।

वेस्टइंडीज का पिछला टेस्ट असाइनमेंट पाकिस्तान के खिलाफ था। दो मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

22 अक्टूबर से प्रैक्टिस मैच खेलेगा वेस्टइंडीज

बांग्लादेश दौरे पर टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले वेस्टइंडीज तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेलेगा। यह मुकाबला 22 अक्टूबर से शुरू होगा।

इसके बाद 28 अक्टूबर से मीरपुर में पहला टेस्ट खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा टेस्ट 5 नवंबर से सिलहट में होगा।

रोहित यादव अंडर-19 ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर: एज फ्रॉड में 2 साल का बैन, आर्यन सावसानी वनडे, तन्मय बलोदा मल्टी-डे टीम में शामिल

भारत की अंडर-19 टीम से बाहर किए गए रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तन्मय बलोदा को शामिल किया गया है। आर्यन को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए, जबकि तन्मय को मल्टी-डे मैच के लिए टीम में चुना गया है।

बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर एज फ्रॉड के लिए क्चष्टक्च ने शुक्रवार को 2 साल का बैन लगाया था। वे जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। उम्र में गड़बड़ी सामने आने के बाद उन्हें तुरंत टीम से बाहर कर दिया गया। रोहित पर कार्रवाई की जानकारी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल की प्रक्रिया के तहत सामने आई।

CAB ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन दस्तावेज जांच अभियान चलाया था। इसी दौरान रोहित की उम्र से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके रिकॉर्ड में उम्र का अंतर 27 महीने का है।

रोहित ने बंगाल की अलग-अलग आयु वर्ग की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। CAB ने इसी तरह की उम्र संबंधी गड़बड़ियों के कारण 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इन खिलाड़ियों में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम के पूर्व सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। रवि ने कैरेबियन में इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय टीम के हेड-कोच के आवेदन पर आशीष नेहरा बोले: वाइफ से परमिशन लेनी होगी, वरना तलाक हो जाएगा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और गुजरात टाइटन्स के हेड कोच आशीष नेहरा ने भविष्य में टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन करने पर कहा है कि इंटरनेशनल कोचिंग में साल के 8-9 महीने यात्रा करनी पड़ती है, जो काफी मुश्किल है।

नेहरा ने मजाक में कहा कि इस पद के लिए उन्हें अपनी पत्नी रुश्मा से मंजूरी लेनी होगी, वरना तलाक हो सकता है। उन्होंने कोलकाता में ष्टक्रएनुअल अवॉर्ड्स समारोह में यह बात कही।

नेहरा ने कहा कि टीम इंडिया का हेड कोच बनना सम्मान की बात होगी, लेकिन उन्होंने इसे अपनी महत्वाकांक्षा नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि वह अभी गुजरात टाइटन्स के साथ काफी खुश हैं।

पत्नी को बताया 'हाई कमीशन'

नेहरा ने कहा- 'इस सवाल का जवाब अभी देना बहुत मुश्किल है। सबसे पहले मुझे हाई कमीशन से बात करनी होगी- और वह मेरी पत्नी है।'

नेहरा ने टीम इंडिया के कोच पद की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया। उन्होंने कहा- 'मैं इसे महत्वाकांक्षा शब्द से नहीं जोड़ूंगा। मैं इस तरह की चीजों की योजना कभी नहीं बनाता। हां, यह सम्मान और विशेषाधिकार की बात होगी। भविष्य में क्या होता है, देखेंगे।'

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने 2 अप्रैल 2009 को अपनी गर्लफ्रेंड रुश्मा से शादी की थी। आशीष नेहरा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 23 मार्च 2009 को वह दोस्तों के साथ बैठे थे और अचानक मात्र 15 मिनट में उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया। आशीष और रुश्मा के दो बच्चे हैं। एक बेटी जिसका नाम एरियाना नेहरा है और बेटा जिसका नाम आरुष नेहरा है।

भारतीय हॉकी टीम नीली जर्सी में ही एशियन गेम्स खेलेगी: वर्ल्ड कप में नारंगी जर्सी पर विवाद हुआ था; हॉकी इंडिया ने ड्रेस बदली

जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम एक बार फिर नीली जर्सी में नजर आएगी। नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेले गए हॉकी वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पुरुष और महिला टीमों की प्राइमरी किट नारंगी कर दी गई थी।

जर्सी बदले जाने पर काफी विवाद हुआ था। कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने इसे गलत बताया था। इसे देखते हुए अब हॉकी इंडिया ने एशियन गेम्स के लिए अपना फैसला बदल दिया है।

नीले टर्फ की वजह से बदला गया था जर्सी का रंग

हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को जर्सी बदलने का कारण बताते हुए कहा था कि ऐसा नीले रंग के टर्फ की वजह से किया गया था। कहा गया कि नीली जर्सी के कारण भारतीय खिलाड़ियों को अपने साथी प्लेयर्स को देखने में दिक्कतें आ रही थीं।

हालांकि पूर्व कप्तानों धनराज पिल्ले, वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, अजीत पाल सिंह और वासुदेवन भास्करन ने इस बदलाव की कड़ी आलोचना की थी।

इस विवाद पर हॉकी इंडिया के भीतर भी खींचतान देखने को मिली थी। अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बयान दिया था कि यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया, जबकि सचिव भोला नाथ सिंह का दावा था कि सभी अधिकारियों को इसकी जानकारी थी।

हॉकी इंडिया प्रसिडेंट दिलीप तिर्की ने नारंगी जर्सी अपनाने पर कहा था- यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया है।

हॉकी इंडिया प्रसिडेंट दिलीप तिर्की ने नारंगी जर्सी अपनाने पर कहा था- यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया है।

जापान रवानगी से ठीक पहले हॉकी इंडिया ने अपने इस फैसले को वापस ले लिया। हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर मनोहरन ने पुष्टि करते हुए कहा- 'भारतीय ओलंपिक संघ (द्बह्र) ने हमसे किट की पहली पसंद पूछी थी। हॉकी इंडिया ने पहली प्राथमिकता नीले रंग को और दूसरी प्राथमिकता नारंगी रंग को दी है।'

टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें छह-छह टीमों के दो पूल में बांटा गया है। भारत को पूल-॥ में रखा गया है। इस पूल में भारत के साथ मेजबान जापान, साउथ कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया हैं। सभी मुकाबले काकामीगाहारा के गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले जाएंगे।

भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी पर लोक भवन में सांस्कृतिक संध्या

रायपुर। भारत रत्न एवं प्रख्यात संगीतकार, गायक, गीतकार और फिल्मकार डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर आज लोक भवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. हजारिका के कला, संगीत एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण किया गया तथा उनकी कालजयी रचनाओं और जीवन-यात्रा को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका का संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं था, बल्कि उसमें समाज, संस्कृति, प्रकृति, मानवीय संवेदना और राष्ट्रीय एकता की गहरी अभिव्यक्ति थी। उन्होंने अपने गीतों और संगीत के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने का कार्य किया। उनकी रचनाएं आज भी लोगों को सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का संदेश देती हैं।

सांस्कृतिक संध्या में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के कलाकारों ने डॉ. भूपेन हजारिका के जीवन एवं रचनाओं पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। नृत्य के माध्यम से उनकी रचनाओं और जीवन-यात्रा को प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया गया। महाकालीबाड़ी एवं विश्वनाथ मंदिर समिति, पंडरी, रायपुर के कलाकारों ने डॉ. हजारिका द्वारा गाए प्रसिद्ध गीतों की भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रथम महिला रानी डेका काकोटी, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिवसोनमणि बोरा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारती दासन सहित गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत स्वच्छता पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर वर्चुअल बैठक में शामिल हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी आज 'सेवा और समर्पण के 25 वर्ष : 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन को लेकर आयोजित वर्चुअल बैठक में शामिल हुए।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत **My Bharat** द्वारा स्वच्छता पखवाड़े सहित विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में अभियान की तैयारियों, कार्ययोजना एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित वर्चुअल बैठक में विभिन्न राज्यों के **My Bharat** के निदेशक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित रहे।

बैठक में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने, युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण की भावना के साथ अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर चर्चा की गई।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुंदर और विकसित भारत के निर्माण की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं की सहभागिता से ऐसे अभियानों को नई ऊर्जा मिलती है और जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए। सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे।

राजनांदगांव में प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट से औद्योगिक विकास और रोजगार को मिलेगी नई गति : सीएम

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 सहित प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके रायपुर स्थित निवास पर आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच राजनांदगांव में गेल (इंडिया) लिमिटेड के प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 तथा प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में गेल (इंडिया) लिमिटेड का प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट क्षेत्र के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगा। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होने के साथ सहायक उद्योगों और व्यावसायिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे राजनांदगांव सहित आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में नई संभावनाओं वाले उद्योगों के विस्तार के साथ आधुनिक तकनीक और उच्च मूल्य आधारित विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 इसी दिशा में छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आधुनिक विनिर्माण के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल है।

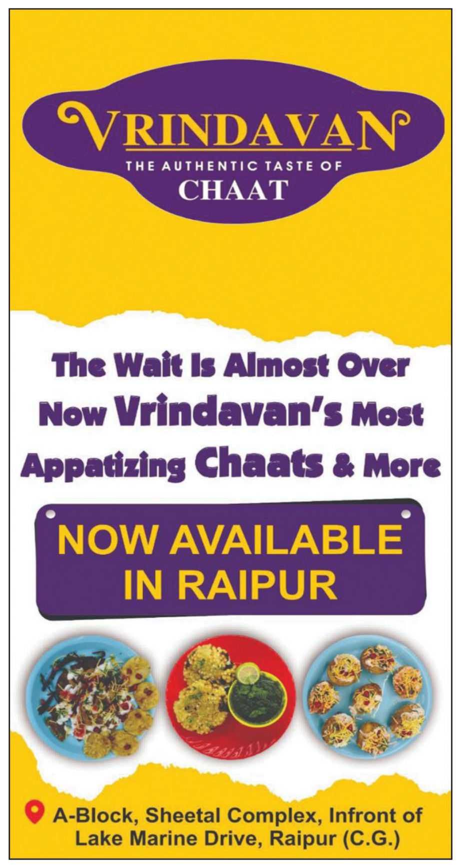

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684